जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 248 प्रभात अजमेर, बुधवार 9 अप्रैल, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

''हमारे अपने'' पटेल, गांधी व नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी थी

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में यह प्रस्ताव पारित करके, कांग्रेस ने यह मैसेज भी दिया, कि वह अभी भी इतिहास में जी रही है, और ऐतिहासिक विरासत के लिए संघर्ष कर रही है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। बहुत सालों के बाद कांग्रेस नींद से जागी है और उसे यह समझ में आया है कि भाजपा ने सरदार पटेल व महात्मा गांधी की विरासत को हथिया लिया है। इसी के मद्देनज़र सी.डब्ल्यू.सी. ने ''हमारे'' सरदार पटेल पर प्रस्ताव पारित किया जिसमें पार्टी ने स्पष्ट किया कि गांधी और नेहरू के साथ सरदार पटेल ने स्वतंत्रता आंदोलन की नींव रखी तथा भाजपा उनके बारे में झूठ फैला रही है।

भाजपा ने लगातार यह कहा है कि पटेल और नेहरू के बीच गंभीर मतभेद थे लेकिन अब कांग्रेस ने मजबूती से यह स्पष्ट करने का निर्णय लिया है कि तीनों नेता बहुत नज़दीक थे, उन्होंने साथ मिलकर काम किया तथा महात्मा गांधी की हत्या के बाद, वो पटेल ही थे जिन्होंने आर.एस.एस. पर प्रतिबंध लगाया।

कांग्रेस अतीत के साथ ही रहना चाहती है। वह ऐसे समय पर भी गुजरात की धरती पर गांधी और पटेल का आव्हान कर रही है, जब उसे अपने पुनर्निमाण पर फोकस करना चाहिये, क्योंकि वह इस समय भीषण संकट में है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज अपने भाषण में उस समय इसका स्पष्ट उल्लेख किया, जब उन्होंने कहा कि जब तक संगठन मजबूत नहीं होता, संख्या का कोई महत्व नहीं है तथा पार्टी चुनाव नहीं जीत पायेगी। वर्ष 2025 संगठन को व्यवस्थित करने का वर्ष है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है, सिवाय इसके कि राहुल गांधी जिला कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाना तथा उन्हें और अधिक अधिकार देना चाहते हैं।

- जबकि, उसका फोकस होना चाहिए पार्टी के पुनर्निर्माण पर।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने भी इसीलिए अपने सम्बोधन में जोर दिया कि जब तक पार्टी का संगठनात्मक ढांचा दुरुस्त नहीं होता, पार्टी चुनाव नहीं जीत सकेगी।
- उनके अनुसार सन् 2025, पार्टी के संगठन को पटरी पर लाने के लिए समर्पित होना चाहिये। पर, इस दिशा में कोई प्लान नहीं है, राहुल गांधी का, डी.सी. सी.ओ. को मजबूत बनाने के अलावा।
- कल राष्ट्रीय मुद्दों पर तथा 2027 में निश्चित गुजरात के विधानसभा चुनावों के बारे में प्रस्ताव लाया जायेगा।
- राहुल गाँधी ने कहा, विधानसभा चुनावों में पार्टी, भाजपा से गुजरात को छीन लेगी, तथा सरकार बनायेगी। पर, इस घोषणा की क्रियान्विति के लिये जमीन पर कोई तैयारी नहीं दिख रही हैं।

के.सी. वेणुगोपाल कहते हैं कि कांग्रेस एक बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करना चाहती है तथा इस पर काम शुरु हो गया है।

राहुल गांधी पार्टी में दलितों, आदिवासियों तथा अल्पसंख्यकों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लाना चाहते हैं। इससे उनका एजेंडा पूरा हो जायेगा तथा पार्टी मजबूत हो जायेगी।

कल एक प्रस्ताव राष्ट्रीय मामलों पर तथा एक प्रस्ताव गुजरात पर लाया जायेगा, जहाँ 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। राहुल गांधी यह घोषणा पहले ही कर चुके हैं कि इस बार कांग्रेस गुजरात में जीतेगी तथा भाजपा से इस राज्य को छीन लेगी।

अब तक ऐसे कोई संकेत दिखाई नहीं दिये हैं। दरअसल, राहुल जो कहते हैं, उसे क्रियान्वित नहीं करते तथा जहाँ जरूरी है, वहाँ सर्जरी अभी शुरु भी नहीं हुई है।

ऐसे और भी वादे किये जाने हैं, और भी निर्णय जल्दी ही लिये जाने हैं, लेकिन वे जमीन पर नहीं उतरते, क्योंकि पार्टी जो कहती है, उसे क्रियान्वित नहीं करती।

जिंदा बम कांड के चार अभियुक्तों को उम्रकैद

जयपुर, 8 अप्रैल। जयपुर बम कांड मामलों की विशेष अदालत 13 मई, 2008 को शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद चांदपोल हनुमान मंदिर के पास जिंदा मिले बम के मामले में चार अभियुक्तों शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान और सरवर आजमी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सजा के साथ ही अदालत ने अभियुक्तों पर 6.40 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने गत 4 अप्रैल को दोनों पक्षों की बहस सुनकर अभियुक्तों को विभिन्न धाराओं में दोषी करार दिया था।

सुनवाई के दौरान आरोपी शाहबाज हुसैन के वकील मुजाहिद अहमद ने शायराना अंदाज में कहा कि, ''तुम्हारा शहर, तुम ही कातिल तुम ही मुद्दई, तुम ही मुंसिफ, हमें यकीन है, गलती हमारी ही निकलेगी।'' इस पर पीठासीन अधिकारी रमेश कुमार जोशी ने जवाब देते हुए कहा कि ''कुदरत के फैसले पर कभी शक मत करना, अगर सज़ा मिल रही है तो गुनाह भी किया होगा। सबसे बड़ा कोर्ट हमारा मन होता है, क्या सही है और क्या गलत, उसे सब पता होता है, राह गलत नहीं होती, गलत तो चुनाव होता है।''

- अदालत ने अभियुक्तों पर 6.40 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अदालत की ओर से गत सुनवाई को चारों आरोपियों को दोष सिद्ध करने के बाद मंगलवार को चारों अभियुक्तों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस हाईकमान ने क्या मन बना लिया है, पायलट को प्रदेश का नेतृत्व सौंपने का?

इसी दिशा में बढ़ते हुए हाईकमान ने वृहद सी.डब्ल्यु.सी. के दौरान, पायलट को जिम्मेवारी सौंपी, मीडिया को ब्रीफ करने के लिए, जिससे पत्रकारों को विश्वास में लिया जा सके, कि 9 अप्रैल को ए.आई.सी.सी. की बैठक में, क्या-क्या होना है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

अहमदाबाद, 8 अप्रेल। राजस्थान पूर्व उपमुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट को एक तरह से राजस्थान में कांग्रेस का नेतृत्व सौंप दिया गया है और राज्य के सत्ता समीकरणों में अशोक गहलोत बहुत पीछे रह गए हैं।

विस्तृत कांग्रेस कमेटी की मीटिंग आज मंगलवार को अहमदाबाद में हुई जिसमें मीडिया से वार्ता के लिए सचिन पायलट को मैदान में उतारा गया, जबकि उस समय सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक चल रही थी।

आईडिया ये था कि मीडिया को कुछ पॉइन्ट दिए जाए ताकि यह पता चले कि सी.डब्ल्यू.सी. में चल क्या रहा है और अगले दिन होने वाली ए.आई.सी.सी. बैठक में क्या कुछ हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि इस कदम को गहलोत का कद कम करने और पायलट को राज्य का नेतृत्व सौंपे जाने के संकेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पुराने कांग्रेस नेतागण हाईकमान के इस निर्णय को स्पष्ट प्रमाण मानते हैं कि हाईकमान के मन में अब कोई ''कन्फ्यूज़न'' नहीं है, कि राजस्थान को किस के नेतृत्व में चलाना है।
- यह भी सोच सुनिश्चित सा हो गया है, कि राजस्थान के बारे में यह निर्णय ठीक चुनाव के पहले उजागर करने से बेहतर है कि, शीघ्र ही, जल्दी से जल्दी सार्वजनिक किया जाये, जिससे नये नेतृत्व को पूरा समय मिले काम करने के लिए।
- हालांकि, गहलोत के समर्थकों की पुरानी चौकड़ी, जिसमें विधायक दल के नेता टीकाराम जूली, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, ए.आई.सी.सी. में महासचिव जितेन्द्र सिंह आदि, पायलट के खिलाफ संगठित हो रही है, जिससे पायलट प्रदेश के नेतृत्व की लड़ाई में ज्यादा आगे बढ़ नहीं पायें।
- गहलोत अब नेतृत्व की दौड़ में काफी पीछे छूट गये हैं, पर, फिर, उनकी पायलट से अदावत इतनी गहरी है कि वे पायलट को स्वीकार करने को अभी भी तैयार नहीं, और पायलट के रास्ते में व्यवधान डालने की चेष्टा अनवरत जारी है।

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक व ए.आई.सी.सी. के सत्र में प्रियंका गाँधी नदारद क्यों हैं?

पूछे जाने पर के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, प्रियंका गाँधी ने संसद व गुजरात के जलसे में अनुपस्थित रहने की इजाज़त ले रखी है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। प्रियंका गांधी आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की मीटिंग में मौजूद नहीं थीं तथा कल होने वाले एआईसीसी अधिवेशन में भी उपस्थित नहीं होंगी।

जब उनकी गैर मौजूदगी के बारे में पूछा गया तो के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि उन्होंने संसद तथा गुजरात के अधिवेशन में उपस्थित न हो पाने की पूर्व सूचना दे दी थी, क्योंकि वे इस समय विदेश गई हुई हैं।

उनके विदेश जाने के कारणों की जानकारी नहीं हैं लेकिन आज सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में उपस्थित नेताओं को आश्चर्य हो रहा था कि वे इतनी महत्वपूर्ण मीटिंग में उपस्थित नहीं हैं। सोनिया गांधी के रिटायरमैंट मोड में आ जाने के बाद, राहुल और प्रियंका गांधी ही पार्टी के वास्तविक नेता हैं तथा पार्टी में उन्हीं की चलती है। मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी अध्यक्ष भले ही हैं, लेकिन पार्टी उनका हुकम उस तरह नहीं चलता,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, इस बात पर चर्चा जोरों पर है, कि वे अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के इतने महत्वपूर्ण आयोजन में अनुपस्थित क्यों हैं। यह माना जाता है कि सोनिया गाँधी लगभग रिटायरमैंट की मुद्रा में आ चुकी हैं, अतः, पार्टी में अब राहुल व प्रियंका ही सर्वेसर्वा रहेंगे। क्योंकि, खड़गे साहब की वह अहमियत नजर नहीं आती, तथा वेणुगोपाल तक उनके निर्णयों को ''ओवर रूल'' कर देते हैं।
- कुछ समय पहले तक यह सम्भावना व्यक्त की जा रही थी, कि, सम्भवतया इलैक्शन मैनेजमैंट कमेटी की वे अध्यक्ष तो बनेंगी। पर, अब इस कमेटी का गठन होता दिख नहीं रहा।

कांग्रेस अधिवेशन में चिदंबरम् की तबियत बिगड़ी

अहमदाबाद, 08 अप्रैल। कांग्रेस अधिवेशन में वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की तबीयत भारी गर्मी के कारण आज शाम बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की यहां पटेल स्मारक पर दिन में हुई बैठक में चिदंबरम ने हिस्सा लिया तो चिलचिलाती धूप में बैठक कक्ष की तरफ जाते हुए वह असहज लग रहे थे। शाम को साबरमती आश्रम में प्रार्थना कार्यक्रम में शामिल होने गए तो उनकी तबीयत बिगड़ गई तो उन्हें तत्काल अस्पताल मैं भर्ती करा दिया गया। इस बीच कांग्रेस के लोकसभा सदस्य तथा चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदंबरम ने ट्वीट कर कहा ''मेरे पिता पी चिदंबरम को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उनके पुत्र कार्ति ने बताया कि भारी गर्मी के कारण तबियत बिगड़ने पर उन्हें ज़ायडस अस्पताल में भर्ती कराया गया, अब वे सामान्य हैं।

'देश के संविधान में ''पूर्ण वीटो'' या ''पॉकेट वीटो'' का कोई प्रावधान नहीं है'

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडू के राज्यपाल के खिलाफ निर्णय दिया और कहा राज्यपाल को कोई अधिकार नहीं है, असैम्बली द्वारा पारित विधेयक पर अनिश्चित काल तक कोई कार्यवाही नहीं करने का

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। ऐसा लगता है कि सितारे भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की राजनीति की शिखर पर पहुँचाने में लगे हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में बिलों पर हस्ताक्षर नहीं करने के लिए दोषी ठहराया है औरा इससे विधानसभा चुनावों से पूर्व स्टालिन की छवि और ज्यादा चमक गई है।

ऐसा लगता है स्टालिन का नेतृत्व अब तमिलनाडु की सीमा के बाहर भी पहुँच रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्टालिन ने कहा कि यह न केवल तमिलनाडु की जीत है बल्कि उन सभी राज्य सरकारों की जीत है, जो राज्यपाल के हाथों पीड़ित हैं।

स्टालिन ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का फैसला राज्य की स्वायत्ता के लिए बड़ी जीत है और वे संघवाद के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

न्यायिक जीत से मुख्यमंत्री छवि और बेहतर हुई है और चुनाव पूर्व यह फैसला आना उनके लिए अच्छी खबर है। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने यह उजागर कर दिया है कि राज्यपाल गैर कानूनी तरीके से काम कर रहे हैं और जो शक्तियाँ उन्हें प्राप्त नहीं हैं उन्हीं भी हथियाना चाहते हैं। तमिलनाडु की जनता सब देख रही है।

मंगलवार को जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन की बैंच ने कहा कि राज्यपाल ने गैरकानूनी तरीके से आचरण किया और राज्य विधानसभा ने सहमति के लिए उन्हें जो विधेयक भेजे थे, उन्हें रोक कर राज्य सरकार के कामकाज में बाधा डाली है। संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल का आचरण अवैध है।

जस्टिस पारदीवाला जिन्होंने यह फैसला लिखा है, ने कहा जब राज्यपाल को कोई बिल भेजा जाता है तो धारा 200 के तहत उसके पास तीन विकल्प होते हैं। मंजूरी दें या मंजूरी रोके और आपत्ति होने पर बिल राष्ट्रपति के पास भेज दें, आर्टिकल 200 में ''शीघ्रातिशीघ्र'' शब्द डाला गया है और राज्यपाल को बिल रोकने की अनुमति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, राज्यपाल को अधिकतम तीन माह में विधानसभा द्वारा पारित विधेयक पर निर्णय ले ही लेना चाहिए।
- राज्यपाल की ओर से पैरवी करते हुए एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटारमणी ने दलील दी कि, विधानसभा द्वारा पारित विधेयक उन कानूनों के खिलाफ थे, जो लोकसभा द्वारा पारित हैं, अतः राज्यपाल उन विधेयकों के राष्ट्रपति के पास नहीं भेज रहे थे।
- पर एटॉर्नी जनरल की यह दलील सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार नहीं की, और तीन माह का अधिकतम समय दिया, विधेयकों पर निर्णय लेने का।

ब्रह्मकुमारी राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी का निधन

आबू रोड (सिरोही), 08 अप्रैल। महिला शक्ति संगठन ब्रह्माकुमारीज़ की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का सोमवार देर रात निधन हो गया। वह 101 वर्ष की थीं।

दादी रतनमोहनी ने गुजरात में अहमदाबाद के जाइडिस अस्पताल में कल देर रात एक बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली। उनके निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दादी के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े तथा मु.मंत्री भजनलाल व अन्य प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के 26 हजार शिक्षकों को पद मुक्त करने के निर्णय को सही बताया

कोलकाता हाईकोर्ट ने तो पहले ही, शिक्षकों कि नियुक्ति को गलत मानते हुए यह निर्णय दिया था। पर अब हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट की मोहर लग जाने से ममता बनर्जी के पास छुपने का कोई रास्ता नहीं बचा है

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। बंगाल की राजनीति में एक बार पुनः बड़ी उथल-पुथल पैदा हो गई है। इस स्थिति के पीछे 26000 सरकारी शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द कर दिये जाने के कारण पैदा हुआ विवाद है। इन नियुक्तियों में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आई थीं। इस पूरे विवाद तथा इस संकट से संबंधित घटनाक्रम ने एक बार फिर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि बहुत ज्यादा खराब कर दी है।

स्थिति बहुत संवेदनशील है, क्योंकि सरकारी स्कूलों में काम कर रहे ये 26000 शिक्षक, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद, एक ही झटके में सरकारी सेवा से हटा दिये गये हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इन नियुक्तियों को, कुछ वकीलों और अन्य प्रभावित लोगों की शिकायत पर, पहले ही रद्द कर दिया था। इन लोगों की शिकायत थी कि स्कूल सर्विस कमीशन (एस एस सी) द्वारा किये गये स्कूली शिक्षकों के चयन में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

इन अनियमितताओं की धधक और तपन, अन्य अधिकांश मामलों की तरह, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तक भी पहुंची है। सरकार की मुखिया होने के साथ ही, शिक्षा विभाग की प्रमुख होने के नाते, मुख्यमंत्री इन अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार ठहराई गई हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद ममता बनर्जी इस विस्फोट के प्रभाव को राजनैतिक रूप से नियन्त्रित करने की हर संभव कोशिश कर रही हैं, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पा रहीं। उन्होंने बर्खास्त स्कूली शिक्षकों की एक मीटिंग कलकत्ता के इनडोर स्टेडियम में बुलाई थी। लेकिन इस मीटिंग स्थल में प्रवेश को लेकर भी बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

तृणमूल के गुंडों ने कथित रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को 500 रु. में ऐन्ट्री पास बेचे थे। पार्टी के इन गुंडों ने इन हैरान-परेशान और उत्तेजित स्कूली शिक्षकों की पिटाई कर दी तथा उन्हें प्रवेश करने से रोक दिया था।

उल्लेखनीय है कि राज्य के शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बहुत नजदीक हैं, शिक्षा मंत्रालय में भ्रष्टाचार के आरोपों के सिलसिले में जेल में पड़े हैं। उनके विभिन्न ठिकानों और उस फ्लैट, जहां उनकी कथित ''गर्लफ्रैंड'' रहती थी, पर पड़ी रेड में करीब 60 करोड़ रु. नकद पाये गये थे।

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले, जिसमें कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्णय की पुष्टि कर दी गई है, के बाद बड़ी अशोभनीय स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि ये 26000 शिक्षक अचानक सड़कों पर आ गये हैं तथा शासन-प्रशासन के लिए एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। उच्च पदस्थ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ममता बनर्जी ने पद मुक्त हुए शिक्षकों की एक मीटिंग रखी, ''इनडोर स्टेडियम'' में, पर यह प्रयास भी निरर्थक साबित हुआ, क्योंकि, स्टेडियम में प्रवेश पाने के लिए, जो पास दिये जाने थे, वे बाजार में बिके तथा शिक्षकों को मारपीट कर भगा दिया गया।
- दूसरी ओर, सरकार का यह दावा भी झूठा साबित हुआ कि उत्तर पत्रिकाएं सभी नष्ट हो गई हैं। फरीदाबाद की एक कम्प्युटर कम्पनी के पास ''उत्तर पुस्तिकाओं'' की कॉपी मिल गई। तथा कोलकाता हाईकोर्ट के एक पूर्व जज ने कहा, यह सम्भव है, कि यह मालूम किया जा सकता है, कौन सा उम्मीदवार पैसे देकर पास हुआ और नौकरी पाई, और कौन सा उम्मीदवार अपनी मैरिट से नौकरी में आया है।

पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर, 8 अप्रैल । अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा की एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) के पद पर नियुक्ति के खिलाफ दायर अपील पर मंगलवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने इस मामले में पद्मेश मिश्रा और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने अपील में कहा है कि राज्य सरकार ने विधि नीति में बेतरतीब और मनमाने तरीके से बदलाव करते हुए पदमेश मिश्रा को फायदा पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में जिस तरीके से विधि नीति में संशोधन किए गए हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट में पद्मेश मिश्रा को एएजी नियुक्त किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई।

विचार बिन्दु

दंड अन्यायी के लिए न्याय है। -अगस्तियन

नेता गैर कानूनी काम करने वालों के साथ भी खड़े दिखते हैं!

पहले चुनावी नारों में पूछा जाता था आपका नेता कैसा हो, तो जवाब में लोगों का समूह चिल्लाता था फलां नेता जैसा हो। अब ऐसे नारे नहीं सुनाई पड़ते क्योंकि राजनीति में अब वैसे नेता होते ही नहीं जिन पर अभिमान किया जा सके या उनका अनुशरण किया जा सके। अब तो बद-दिमाग बाहुबलियों और किसी को कुछ न समझने वालों का समय है। युवावस्था में धौंस-पट्टी करते हुए राजनीति की सीढ़ियां चढ़ने का जतन किया जाता है। एक बार विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव जीत कर मिलने आये एक युवा से जब तत्कालीन मुख्यमंत्री ने पूछा कि उसने छात्रसंघ का चुनाव क्यों लड़ा, तो उसका मासूम जवाब था कि वह राजनीति में आना चाहता है और आगे चलकर एमएलए बनना चाहता है। ऐसा ही एक बार यूनिसेफ ने पंचायतों में पहली बार जीतकर आयीं महिला पंचों की एक कार्यशाला रखी जिसमें बहुत सी युवा लड़कियां थी - कुछ जींस पहने भी। वहां सबसे एक सवाल पूछा गया कि वे क्यों इस पद की आकांक्षी हुईं, तो सभी का सहज जवाब था कि वे अब सरकार में अपने परिवार और दूसरे अपने लोगों के काम करवा सकेंगी। ऐसा वे इसलिए बोल गईं क्योंकि उनका राजनीति में परिपक्व होकर यह कहना सीखना कि हम अपने क्षेत्र तथा आमजन के कल्याण के लिए आये हैं बाकी था। लोक कल्याणकारी राज्य की बात भी शायद इसीलिए अब नहीं की जाती। वह ज़माना गया जब अर्थशास्त्री मानते थे कि लोक कल्याणकारी राज्य में तो बजट घाटे का ही होगा और प्रशासनिक खर्चे कम करके विकास पर अधिक पैसा खर्च किया जाएगा। मगर अब सब कुछ उलट गया। अब सरकार हर सेवा का शुल्क लेकर अपना मुनाफा बढ़ाती है और अपने अमले पर खर्च बढ़ाती जाती है। अब राजनीति सेवा का व्रत नहीं एक पेशा बन गई है और राजनेता पेशेवर। राजनेता सफल होने के लिए पेशेवर व्यावसायिक एजेंसियों की सेवाएं भी लेने लगे हैं। व्यावसायिक एजेंसियां उनके लिए जन-संपर्क का काम करती हैं। और तो और पत्रकारिता की उच्च शिक्षा के संस्थानों में विभिन्न माध्यमों पर प्रचार के हुनर सिखाए जाने लगे हैं और जनसंचार के आधुनिक साधनों के विषय में डिग्रियां भी दी जाने लगी हैं ताकि छात्रों को बाद में इस क्षेत्र में रोज़गार मिल सके। कॉर्पोरेट जगत ने पत्रकारिता और राजनीति को भी अपने पाश में बांध लिया है। राजनीति के ऐसे नये माहौल में निर्वाचित प्रतिनिधि अपने को लोकतान्त्रिक व्यवस्था में भी राजा-महाराजाओं या सीईओ जैसा व्यवहार करने लगे हैं तो क्या आश्चर्य है। वे समझते हैं कि संवैधानिक व्यवस्था में निर्वाचित हो जाने पर अब वे ही कानून हैं। वे अपनी राजनीति को चमक देने के लिए कानून तोड़ने वालों के साथ खड़े नज़र आते है। अखबारों में और सोशल मीडिया पर विडिओ के साथ ऐसी खबरें आम पाई जाती हैं कि कोई विधायक साहब लोगों के समूह के सामने सरकारी कर्मचारियों को फटकारते हैं या फोन पर किसी अफसर को डांटते-फटकारते हैं। ऐसा माहौल बनाया जाता है कि जैसे सारा प्रशासन खराब है और जन प्रतिनिधि जिनकी तरफदारी में खड़े दिख रहे हैं वे सब दूध के धुले हैं और पीड़ित हैं। यह भी सब जानते हैं कि इन पीड़ितों में वे भी होते हैं जो कानून तोड़ते हुए कोई भवन खड़े कर रहे होते हैं और वे भी होते हैं जिन्होंने खाली पड़ी सरकारी जमीन या पड़ोसी के जमीन पर कब्जा किया हुआ होता है। उनकी तरफदारी करते हुए वे अपने को रोबिनहुड की तरह प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनेक सांप्रदायिक दावानल भी उगलते हैं।

प्राचीन या मध्यकालीन राजतंत्र में राजाशाही अधिकारों के आधार पर शासन चलता था। वह वंश, रिश्तेदारियों तथा लेन-देन आधारित होता था। दरबार के लोग तथा उनके मातहत कारिंदे सामंतों की कृपा पर आश्रित रहते थे तथा सामंत राजा की कृपा पर। कृपा पाने के बाद वे स्वच्छंद होकर आवाम को अपने अंगूठे के नीचे रखते थे। उनका अपना कानून चलता था। लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के निर्वाचित सदस्यों को एक विधान के तहत काम करना होता है। उनके पास कोई व्यक्तिगत या निरंकुश शक्ति नहीं होती। उनको मिले विशेषाधिकार सदनों के अंदर ही होते हैं बाहर नहीं। किन्तु आज के राजनेता को पुरानी दरबारी संस्कृति भाती है जिसमें कायदे कानूनों की नहीं उनकी मर्जी चलती हो। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आज़ादी अचानक मिल गई। आजादी के बाद गणतांत्रिक व्यवस्था तो संविधान सभा ने बना कर दे दी, किन्तु नयी व्यवस्था के अनुरूप विवेकशील समाज और जागरूक नागरिक बनाने की पूरी तैयारी नहीं हो पाई। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को बाहर कर देने का नहीं था, समाज को बदलने का उद्यम भी था जिसमें हमारे सामान्य व्यवहार में लंबे समय से अंदर गहरे तक धंसी सामंती मानसिकता को जड़ मूल से उखाड़नाभी शामिल था। देशी रियासतों, शासकों, जागीरदारों तथा उनकी कुलीन व्यवस्था को समाप्त करके उनके स्थान पर नयी संवैधानिक व्यवस्था में तब्दील करना भी था। भारतीय गणतंत्र का ढांचा तो बन गया जिसे थामने के लिए संविधान ने एक दूसरे से स्वतंत्र किन्तु एक दूसरे को बैलेंस करने वाले विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के तीन आधार बना दिए। इन तीनों में किसी को एक दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना था। संविधानिक संस्थाओं के सदस्यों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुने जाने की व्यवस्था की गई और जिन्हें जनहितकारी नीतियां बनाने और शासन व्यवस्था को लागू करने दायित्व मिला। उनका कार्य लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के तहत होता है, न कि किसी व्यक्तिगत या सामंती सत्ता के रूप में। लेकिन हम देखते हैं कि राजनीति का पूरा आधार लोकसेवा का नहीं सत्ता का आकर्षण बन गया है। इससे व्यक्तिगत फायदे पाने के लिए लोग इसमें आते हैं और ऐसे लोगों की ही पूछ राजनैतिक दलों में भी होने लगी है। आजादी के बाद देश में अनेक बार कोशिशें हुई कि चुनावों में उम्मीदवार का चयन निर्वाचन क्षेत्र के लोग करें परंतु यह हक़ पार्टी आलाकमानों के हाथों में चला गया और सत्ता का दुरुपयोग होना सामान्य चलन हो गया। भारतीय संविधान में सभी नागरिक बराबर हैं। देश की संप्रभुता यहां के प्रत्येक नागरिक के हाथ में है। संविधान इस कथन के साथ शुरू होता है कि हम भारत के लोग अपने आप को यह संविधान देते हैं। यह संविधान का निचोड़ उसके आमुख या प्रस्तावना में है। लेकिन विधायकों व सांसदों का गैर-जिम्मेदाराना सार्वजनिक व्यवहार निश्चित रूप से खुद को पहला और हम भारत के लोगों को दोयम दर्जे का मानने वाला हो चला है।

> **कॉर्पोरेट जगत ने पत्रकारिता और राजनीति को भी अपने पाश में बांध लिया है। राजनीति के ऐसे नये माहौल में निर्वाचित प्रतिनिधि अपने को लोकतान्त्रिक व्यवस्था में भी राजा-महाराजाओं या सीईओ जैसा व्यवहार करने लगे हैं तो क्या आश्चर्य है। वे समझते हैं कि संवैधानिक व्यवस्था में निर्वाचित हो जाने पर अब वे ही कानून हैं। वे अपनी राजनीति को चमक देने के लिए कानून तोड़ने वालों के साथ खड़े नज़र आते है।**

भारतीय संविधान विधायकों और सांसदों के कर्तव्यों और दायित्वों का निर्धारण करता है। इन दायित्वों का उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रणाली को सुचारू रूप से चलाना, सार्वजनिक भलाई सुनिश्चित करना होता है। कानून निर्माता होने के साथ-साथ निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपने चुनाव क्षेत्रों के मुद्दों को संसद और विधानसभा में उठाने की जिम्मेवारी होती है। लेकिन वे मुद्दे क्या होते हैं यह महत्वपूर्ण है। वे नीति संबंधी मुद्दे और समान न्याय आधारित विकास को सुनिश्चित करने वाले हो सकते हैं। विधायकों और सांसदों का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य सरकार और प्रशासन की निगरानी करना भी होता है। किन्तु इसका अर्थ यह नहीं होता कि वे किसी संवैधानिक न्याय प्रक्रिया से ऊपर हो जाते हों। उन्हें यह सुनिश्चित करना होता है कि सरकारी योजनाएं और नीतियां सही तरीके से लागू हो रही हैं और जनता के हित में हैं। इसके लिए संसद तथा विधानसभाओं के मंच होते हैं जहां उन्हें अपनी बात पुरजोर और तर्कपूर्ण तरीके से रखने का मौका मिलता है। वे प्रश्न पूछकर, समिति रिपोर्ट की जांच करके और विधायिका में चर्चा करके सरकारी कार्यों की समीक्षा करते हैं। मगर पेशेवर नेताओं को सौम्य व्यवहार रास नहीं आता। वे सदनों में भी कार्यवाही को बाधित करने की अपनी क्षमता पर गर्व करते हैं। उन्हें भारतीय संविधान और उसके तहत दिए गए अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का सम्मान करना कौन सिखाये, यह बड़ा सवाल है। विभिन्न राजनीतिक दलों की अपने उम्मीदवारों की छवि की जगह उनमें वोट बटोरने की क्षमता में अधिक रुचि होती है ताकि वे बहुमत पा कर सरकार बना सकें। सत्ता पाने की वैसी ही दौड़ है जैसी कभी रियासती सत्ताओं के बीच होती थी। यह भी सच है कि मतदाता केवल आदर्शवाद या नायकत्व से प्रभावित नहीं होते, बल्कि वे अपने रोज़मर्रा के जीवन में अपने नेताओं से लाभ पाने की भी उम्मीद करते है। अनेक नेताओं की रोबिनहुड जैसी छवि चुनावी रणनीति का हिस्सा बन जाती है। सरकार की जवाबदेही की तो संविधान में व्यवस्था है लेकिन निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही की कोई व्यवस्था नहीं है। मतदाता का अंकुश काम करता नज़र नहीं आता क्योंकि चुनाव में दलीय व्यवस्था में पार्टी संबद्धता के चलते मतदाता द्वारा अनेक बार नापसंद उम्मीदवार को भी समर्थन देते हमने देखा है। कुछ नेता अपनी लड़ाका छवि बनाकर अपनी जाति पर वर्चस्व जमा कर अपनी सामाजिक स्थिति, सामर्थ्य और नेटवर्क से राजनैतिक सौदेबाजी करते हैं। कई नेता प्रशासन के लिए ही सिरदर्द नहीं होते बल्कि निजी संस्थानों के जबरन संरक्षक बनकर भी अपनी सत्ता बनाए रखते हैं जिससे उनके निजी कार्यकर्ताओं का गुजारा होता रहे। इनमें अनेक उत्साही और मुखर दिखने का प्रयास करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों को हम अक्सर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए समाज में दरारें भी डालते हुए भी पाते हैं। राजनैतिक दलों का यह दायित्व बनाता है कि वे अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को सिखाये कि उनका सार्वजनिक व्यवहार कैसा हो क्योंकि विनम्रता और ईमानदारी लोकतंत्र की पहली शर्त होती है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वर्तमान समय में भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता-1

भागचन्द जैन मित्रपुरा

जैन धर्म अनादि, अनंत - शाश्वत- सनातन धर्म है। इस हुंडावसर्पिणी काल में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ थे एवं अन्तिम 24वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर है।

तेइसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष चले जाने के कुछ वर्षो के बाद भारत वर्ष में अनेक मत - मतांतर प्रचलित हो गए थे। उस समय मनुष्य भ्रांतिवश स्वर्ग प्राप्ति के लोभ में जीवित पशुओं को यज्ञ में बलि देते थे। बौद्ध धर्म की क्षिणक वादिता को अपना कर मन में संताप कर रहे थे। वैदांतियों के प्रपंच में पड़कर आत्म हित से परे हो रहे थे। धर्म को अलग अलग तरीके से परिभाषित किया जा रहा था। मिथ्यात्व का तिमिर घर कर गया था। ऐसे समय में कल्याण का मार्ग दिखाने वाले किसी उद्धारक की नितांत आवश्यकता थी। सृष्टि का क्रम जन मानस की आवश्यकतानुरूप हुआ करता है। इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए स्व-पर के कल्याण मार्ग प्रशस्तक के रूप में सोलहवें अच्युत स्वर्ग के पुष्पोत्तर विमान से इंद्र का इस धरा पर वर्धमान नाम से अवरोहण हुआ, जिन्हे तीर्थंकर महावीर के नाम से भी जाना जाता है।

जीवन परिचय–भगवान महावीर का जन्म 599 ई.पूर्व क्षत्रीय कुण्डाग्राम (कुण्डलपुर- वैशाली) वर्तमान बिहार राज्य में हुआ था। इनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी प्रियकारिणी (त्रिशला) था। महावीर के जन्म के समय स्वर्गलोक से जन्मोत्सव मनाने आए सौधर्म इंद्र ने बालक की शक्ति को अनुभव किया और वीर नामकरण कर दिया। महावीर के जन्म के साथ ही राज्य समृद्ध होने लगा एवं चारो ओर राज्य की कीर्ति फैलने लगी, इसे देखते हुए बालक का वर्धमान नाम रखा गया। कालांतर में दो चारण ऋद्धिधारी मुनियों का शंका समाधान वर्धमान को देखते ही स्वतः ही हो गया, उन्होंने वर्धमान को सन्मति नाम से पुकारा। गजशाला के एक मदोन्मत्त हाथी को वश में करने पर अतिवीर कहलाए। संगम देव द्वारा भयंकर सर्प का रूप धारण कर वर्धमान की शूरवीरता की परीक्षा ली गई। सर्प को वश में कर लेने पर महावीर के नाम से जाने जाने लगे।

महावीर जन्म से ही आमजन के हितार्थ कार्यों में लग गए थे। महावीर समय के साथ धीरे-धीरे बढ़े होने लगे। उनकी समझ तो बाल्यकाल से ही अद्भुत थी। उन्हें अपने आत्म कल्याण की समझ आने लगी था। वे इस संसार को निस्सार मानते हुए भोगों में कभी प्रवृत्त नहीं हुए और आत्म चिंतन में लीन रहने लगे। इस समय वर्धमान के विवाह के प्रस्ताव आने लगे लेकिन उन्होंने स्वीकार नही किया।

महावीर जब तीस वर्ष के थे, तब पिता राजा सिद्धार्थ ने उन्हें राज कार्य संभालने हेतु कहने पर महावीर ने कहा कि जिस जंजाल से वे स्वयं बचना चाह रहे है उसमें मुझे फंसाने का कोई औचित्य समझ में नहीं आता है। वे माता पिता को अपने प्रयोजन से संतुष्ट करने के बाद तीस वर्ष की अवस्था में ही गृह त्याग कर वन की ओर प्रस्थान कर आत्म ध्यान में लीन हो गए। लगातार 12 वर्ष 5 माह एवं 15 दिन तक तप, संयम एवं साम्यभाव की साधना की, पंच महाव्रत आत्मसात किया। महावीर एक दिन ऋजुकूला नदी के किनारे आत्म ध्यान में लीन थे तब घातिया कर्मो का नाश कर वैशाख शुक्ला दशमी के दिन सम्पूर्ण ज्ञान, केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। इन्द्र की आज्ञा पाकर धनपति कुबेर ने समवशरण की रचना की। लेकिन गणधर के अभाव में, 66 दिन तक उनकी दिव्य ध्वनि नहीं खिरी। इंद्रभूति नामक ब्राह्मण के समवशरण में आने पर ही भगवान की दिव्य वाणी खिरी। इंद्रभूति के प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रथम उपदेश में जीव के स्वरूप का ज्ञान कराया।

इंद्रभूति ही भगवान के प्रथम गणधर बने जो गौतम गणधर के नाम से प्रसिद्ध हुए। तीर्थंकर के 10 और गणधर बने। इनके समवशरण में देव, नर, तिर्यंच गति के जीवों ने सदुपदेश प्राप्त किये। भगवान अर्ध-मागधी भाषा में तत्वों का उपदेश करते थे और गौतम गणधर उसे ठाहण करते थे। एक बार समवशरण में गौतम गणधर ने भगवान महावीर से प्रश्न किया कि, भंते! दो व्यक्ति है, एक तो दिन रात आपकी भक्ति में लगा रहता है, जिससे उसे जन सेवा के लिए समय ही नहीं मिलता। दूसरा व्यक्ति वह है जो दिन रात जन सेवा में लगा रहता है, जिसके पास आपकी भक्ति के लिए समय ही नहीं है। इन दोनों में से कौन श्रेष्ठ है? धन्य है? पुण्यशाली है? महावीर ने समाधान किया कि श्रेष्ठता नाम रटने में या पूजा-अर्चना करने में नही, मेरी आज्ञा पालन करने में है। समवशरण में ही राजा श्रेणिक ने भी 60000 प्रश्न पूछे थे। इन्ही आधार पर ग्रंथो की रचना हुई, जिसे हम द्वादशांग जिनवाणी कहते है।

महावीर ने 30 वर्षों तक देश के विविध अंचलों में पद विहार कर संत्रस्त मानवता के कल्याण हेतु अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य धर्म को आम जन में प्रसारित किया। रत्नत्रय की अवधारणा से परिचित कराया। पूर्णज्ञानी योगी भगवान महावीर ने वैदिकी हिंसा- कर्मकांड, पशुबलि तथा अन्य कुरुतियों को बंद कराया। भगवान महावीर धर्म का प्रचार करते-करते पांवापुर आए, वहां योग- निरोध कर आत्मध्यान में लीन हो विराजमान हो गए। अघातिया कर्मो का नाश कर कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन प्रातःकाल के समय 72 वर्ष की अवस्था में, ईसा से 527 वर्ष पूर्व निवार्ण प्राप्त किया। इस दिवस को दीपावली के रूप में मनाया जाता है।

भगवान महावीर एक विलक्षण - सम्पूर्ण जीवन दृष्टा थे।

1. उन्होंने कर्म सिद्धांत को अपनाया, कर्म करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कर्म की प्रधानता की अवधारणा को जागृत किया। यह संदेश दिया कि मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। स्व कल्याण के लिए व्यक्ति स्वयं सक्षम है। मानव जीवन में पूर्णता प्राप्त करने की क्षमता होती है। यह संदेश दिया कि हमारे सुख-दुख के लिए हम स्वंय ज़िम्मेदार है। हमारे द्वारा किये गये कर्मों का फल हमें स्वयं ही भोगना है। पूर्व जन्मों के कर्मों का फल हमे इस जन्म में एवं इस जन्म के कर्मों का फल अगले जन्म में भुगतना पड़ता है।

2. ईश्वर की सत्ता की जगह हम सब में ईश्वर बनने की क्षमता का संचार किया। मनुष्य स्वयं अपना कर्त्ता है। यह सृष्टि अनादि, अनंत है एवं कर्म सिद्धांतो पर चलती है। फल देने का या दंडित करने का कार्य ईश्वर का नहीं है। हम जानते है कि कंप्यूटर में जो कुछ भी फीड किया जाता है, परिणाम तदनुरूप ही आता है। तीर्थंकर महावीर ने अप्पा सो परमप्पा का उपदेश देकर बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जीव और आत्मा को परमात्मा बनने का मार्ग बताया। गुणों की अपेक्षा से पूर्ण विकसित आत्मा ही परमात्मा है। अन्य किसी भी धर्म में मनुष्य को अपने कर्म फल प्राप्त करने का कोई अधिकार नहीं दिया है। अन्य धर्मों में ईश्वर अवतार लेता है एवं उसे कर्त्ता एवं फल प्रदाता माना गया है। मनुष्य के हाथ में कुछ भी नहीं है। लेकिन हम अपने अनुभव से जान सकते है कि कर्म सिद्धांत स्वतः अपना कार्य करते है। भगवान महावीर ने सांसारिक सुख की प्राप्ति एवं साथ ही मोक्षमार्ग पर चलने हेतु श्रावकों को पंच अणुव्रत एवं श्रमणों को पंच महाव्रत (निम्न 3- 7) के सिद्धांत अपनाने पर जोर दिया। स्व कल्याण के साथ, जन कल्याण एवं विश्व कल्याण भी संभव है।

3. अहिंसा व्रत- भगवान महावीर ने अहिंसा के सूक्ष्मतम रूप का व्यापक विश्लेषण किया है। अहिंसा को जीवन शुद्धि का आधार बताया है। अहिंसा परमो धर्मः, अहिंसा ही महान धर्म है। महावीर के जीओ और जीने दो के सूत्र में बहुत ही गूढ़ अर्थ छिपा हुआ है। यह कथन आत्म-साक्षात्कार और सार्वभौमिकता का प्रतीक है। एक मात्र इसी सिद्धांत की पालना से हम विश्व बंधुत्व की परिकल्पना साकार कर सकते है। इसका विश्लेषण करते है तो जानते है कि स्वयं के जीवन के बारे में सोचने में ही किसी अन्य के जीवन की अनुभूति अंतर्निहित है। हम यदि वास्तविकता में स्वयं अच्छा जीवन जीना चाहते है तो हमे न केवल आसपास बल्कि सभी के हितों का ध्यान रखना होगा तभी स्वयं का जीवन निरापद होगा। अहिंसा का अर्थ है किसी प्राणी का घात न करना, अपशब्द न बोलना तथा मानसिक रूप से किसी का अहित न सोचना। एक वाक्य में यदि कहा जाए तो दुर्भाव का अभाव तथा समभाव का निर्वाह ही अहिंसा है। अहिंसा सहअस्तित्व, सहिष्णुता की भावना का प्रतीक है। किसी के प्रति मन मे बुरे विचार आना, बदले की भावना से सोचना आदि को भी हिंसा की श्रेणी मे माना गया। विचारो से ही हमारी मनस्थिति विकसित होती है एवं तदनुसार हम प्रतिक्रिया देते है। शान्तिपूर्ण जीवन के लिए अहिंसात्मक आचरण की आवश्यकता है। जीने का अधिकार प्राणी मात्र को है। सभी को जीने का अधिकार है। किसी दूसरे के अच्छे जीवन की कामना से ही स्वयं का जीवन ख़ुशहाल हो सकता है, यही सत्य है। मन, वचन और कर्म से अहिंसा को आत्मसात करने का संदेश स्थाई शान्ति के लिए महत्वपूर्ण है। भगवान महावीर ने किसी और पर विजय प्राप्त करने की बजाय, जिसकी कोई आवश्यकता भी नहीं है, स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

अहिंसा पालन जैन धर्म का एकाधिकार नहीं है, शीर्ष मार्ग दर्शक जरूर है। वर्तमान में इस सिद्धांत की पालना केवल सीमित व्यक्तियों द्वारा ही की जा रही है। यदि संसार के तथाकथित शक्ति के केंद्र जैन धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के ऊपरी आवरण का भी पालन कर ले या समझ भी ले तो रूस एवं यूक्रेन, चीन एवं ताईवान, फिलिस्तीन (हमास) एवं इजराइल, आदि देशों के बीच जारी भीषण विभित्सिका को रोका जा सकता है। युद्ध का अंत अवश्यंभावी है, लेकिन महावीर के सिद्धांत अहिंसा से ही संभव है। हमें किसी को भी मारने का अधिकार नहीं है। जैसे कि कुछ मानव मूक पशु-पक्षियों को मारकर खाना अपना अधिकार समझते है। यदि ऐसा है तो मानव अपने से निर्बल व्यक्ति को अपनी स्वार्थ पूर्ति हेतु मारने में एवं एक शक्तिशाली देश अपने से कमज़ोर देश को नष्ट करने मे नहीं हिचकिचायेगा और ये क्रम चलता रहेगा। इसका अन्त अन्ततः सृष्टि के विनाश के रूप में होगा। लेकिन महावीर ने सह अस्तित्व की अवधारणा को जन्म देकर इस सृष्टि को विनाश मार्ग पर जाने से बचा लिया, क्योंकि वर्तमान मे बहुत से लोग भगवान महावीर के सिद्धान्तों का येन केन प्रकरेण पालन करते है।

दूसरों का बुरा चाहकर कोई भी अपना भला नहीं कर सकता है। भगवान महावीर की अहिंसा के अमोघ हथियार को महात्मा गाँधी ने अपनाया और भारत को शक्तिशाली अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराया। कई धर्मो में अहिंसा धर्म बताया गया है लेकिन जिस सूक्ष्मता के साथ महावीर ने अहिंसा का स्वयं पालन किया है और ज्ञान दिया है, वह समुचित है।

4. सत्य व्रत - जो वस्तु जैसी है, उसे वैसा ही मानना सत्य है। अहिंसा के बाद सत्य का क्रम आता है। सत्य का अर्थ सत् शब्द से आया है जिसका मतलब है वास्तविक होना, वस्तु स्थिति, तथ्य से अवगत होना। सत्य विपरीत मिथ्यात्व इस संसार में भ्रमण का कारण बनता है। अपने निरीह स्वार्थ के कारण सत्य का साथ नहीं छोड़ना, व्यक्ति को जिम्मेदार और विश्वसनीय बनाता है और अंततोगत्वा वह आदर का पात्र बन जाता है। सत्य का शाब्दिक अर्थ सभी का कल्याण। इस कल्याण की भावना को हृदय में धारण करके ही व्यक्ति सत्य बोल सकता है।

(शेषांश कल के अंक में)

संकलन–भागचंद जैन मित्रपुरा,
पूर्व सहायक महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक,
अध्यक्ष, अ.भार. जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर पूर्व कंसल्टेंट एसबीआई लाइफ

केसरीसिंहपुर पालिका में चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर से ईओ और बाबू ने पट्टा जारी किया

■ **पालिका चेयरपर्सन ने वसूल की गई 66,917 की राशि के स्थान पर सरकारी रिकॉर्ड में सिर्फ 24 हजार कुछ रुपए ही जमा करवाकर शेष राशि का गबन का भी आरोप लगाया**

श्रीगंगानगर, (निसं)। केसरीसिंहपुर नगरपालिका में अधिशासी अधिकारी व ऑफिस के बाबू पर फर्जी तरीके से पट्टा जारी करने व इस पट्टे पर चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर करने का चेयरपर्सन सुमिता रानी ने आरोप लगाया है। चेयरपर्सन ने इस मामले में वसूल की गई 66,917 रुपए की राशि के स्थान पर सरकारी रिकॉर्ड में सिर्फ 24 हजार कुछ रुपए ही जमा करवाकर शेष राशि का गबन करने का भी आरोप लगाया है। अब इस मामले में ईओ ने अपना बचाव करते हुए बाबू के कार्यकाल में रिकॉर्ड की जांच के लिए निकाय विभाग के उपनिदेशक को पत्र लिखा है।

नगरपालिका केसरीसिंहपुर में अपने 96 गुणा 37 फीट के प्लाट का पट्टा जारी करने के लिए आवेदन किया गया। इस पत्रावली को बाबू व ईओ ने आगे बढ़ाते हुए डीएलसी दर की गणना कर 66,915 रुपए का डिमांड नोटिस जारी किया। इसके बाद पत्रावली में राशि जमा होना दर्शाते हुए पट्टा जारी करने के लिए पत्रावली चेयरपर्सन सुमिता रानी के पास भेजी गई। प्लाट का नक्शा टाउन प्लानर से पास नहीं होने के कारण चेयरपर्सन ने इस पट्टे पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। इसके बाद गुपचुप चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर से पट्टा जारी कर दिया गया। मामला संज्ञान में आने पर चेयरपर्सन ने ईओ से इस मामले की जांच करवाने के लिए कहा, लेकिन तीन दिन बीतने के बाद भी जांच नहीं करवाई गई तो चेयरपर्सन ने पट्टा संबंधी रिकॉर्ड मंगवाकर देखा तो उस पर चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर थे।

राशि जमा होने संबंधी रिकॉर्ड देखा तो उसमें सिर्फ 22 हजार कुछ रुपए ही सरकारी खजाने में जमा करवाया जाना पाया गया। ईओ ने इस मामले में अपना बचाव करते हुए अब पट्टा जारी किए जाने वाले समय तैनात रहे बाबू मुकेश कुमार के कार्यकाल में रिकॉर्ड की जांच करवाने के लिए निकाय विभाग के उपनिदेशक को पत्र लिखा है। नगरपालिका में तत्कालीन ईओ के कार्यकाल में चेयरपर्सन सुमिता रानी के पति जवाहर अग्रवाल ने गोल्डन सिटी में क्रय किए 25 फीट गुणा 60 फीट साइज प्लाट का पट्टा जारी करने के लिए आवेदन किया। इसमें 42,000 रुपए की राशि का डिमांड नोटिस जारी कर राशि जमा करवाई गई तथा पट्टा भी जारी कर दिया गया। एक पट्टे में फर्जीवाड़ा पकड़ में आने के बाद चेयरपर्सन ने अपने पति के नाम से जारी पट्टे की जमा राशि का रिकॉर्ड देखा तो राशि जमा ही नहीं होना पाया गया। अब इस मामले की शिकायत निकाय विभाग से की है।

अधिशासी अधिकारी विश्वास गोदारा ने बताया कि पालिका चेयरपर्सन ने इस मामले से अवगत करवाया है। इस मामले में कमेटी गठित कर कनिष्ठ सहायक मुकेश कुमार के कार्यकाल में दस्तावेजों की जांच करवाने के लिए निकाय विभाग के उपनिदेशक को पत्र लिखा गया है।

तत्कालीन कनिष्ठ सहायक मुकेश कुमार ने बताया कि लिपिकीय भूल से कोई चूक हो गई होगी। पुराना मामला है। मेरे संज्ञान में नहीं है। नगरपालिका से पूरी जानकारी मिल सकती है। मेरा स्थानांतरण हो गया।

चेयरपर्सन सुमिता रानी का कहना है कि फर्जी हस्ताक्षर से पट्टा जारी करने का मामला पकड़ में आया है। साथ ही डिमांड नोटिस के अनुसार वसूल की गई राशि भी सरकारी खजाने में जमा नहीं है। अधिशासी अधिकारी व बाबू की मिलीभगत से बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार कर गबन किया गया है। जो पट्टा मेरे फर्जी हस्ताक्षर से जारी किया गया है। उस पर अधिशासी अधिकारी विश्वास गोदारा के हस्ताक्षर हैं। पालिका में बीते वर्षों में किए गए भ्रष्टाचार व गबन मामले की जांच के लिए निकाय विभाग के उच्चाधिकारियों को शिकायत भेजी गई है।

रसद विभाग की टीम ने घरेलू गैस सिलेण्डर व रीफीलिंग उपकरण जब्त किये

उदयपुर, (कासं)। रसद विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच कर घरेलू गैस सिलेण्डर और रिफीलिंग में उपयोग किए जाने वाले उपकरण जब्त किए हैं।

जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में अवैध एलपीजी रिफीलिंग के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से जान-माल की क्षति एवं घरेलू गैस के व्यवसायिक दुरूपयोग के कारण होने वाली राजस्व हानि तथा गैस सिलेण्डरों की अवैध भण्डारण की रोकथाम के लिए विशेष जांच दल द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में जिला रसद अधिकारी के निर्देशन में प्रवर्तन अधिकारी डॉ. निशा मून्दड़ा प्रर्वतन व प्रवर्तन निरीक्षक डॉ. कोमल सिंह सोलंकी द्वारा उदयपुर शहर क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की जांच की। विजय गैस स्टेशन गणपती नगर पर पांच घरेलू गैस सिलेण्डर एवं एक मोटर मय रिफीलिंग मशीन एवं मातेश्वरी गैस सर्विस सविना से 10 गैस सिलेण्डर एवं गैस ट्रांसफर करने हेतु प्रयोग में लाने जाने वाला बांसुरी उपकरण भी जब्त किया गया।

परिसीमन को लेकर मोर्चा खोला

मसूदा, (निसं)। मसूदा क्षेत्र के ग्राम श्यामगढ़, केरिया व चावण्डिया के ग्रामीणों ने परिसीमन को लेकर मोर्चा खोला। मसूदा उपखंड क्षेत्र में राजस्व परिसीमन को लेकर हाल ही में बनी ग्राम पंचायत को लेकर आसपास के ग्रामीण गांव को अदला-बदली के चलते लामबंद हो गए। सतावड़िया केरिया एवं श्यामगढ़ के ग्रामीणों द्वारा उपखंड अधिकारी के समक्ष ज्ञापन प्रेषित किया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 9 अप्रैल, 2025

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र प्रातः 9:57 तक, गंड योग सायं 6:25 तक, बव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग दिन 9:57 से रात्रि 10:56 तक है। आज प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:55 से 12:28 तक, चर 3:36 से 5:10 तक, लाभ 5:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:44

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

कुंभ
आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मीन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

भाजपा के पूर्व विधायक आहूजा के विवादित बोल से मचा बवाल

अजमेर, (कासं)। भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा द्वारा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर दिए गए विवादित बयान से कांग्रेसियों बवाल मच गया है। मंगलवार को शहर अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया और आहूजा का पुतला फूंक कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। मालूम हो कि आहूजा ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा राम मंदिर दर्शन के बाद गंगाजल छिडक़ने वाली बात कही थी।

अजमेर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देश पर अजमेर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व विधायक ज्ञान देव आहूजा और भारतीय जनता पार्टी की पर्ची सरकार का पुतला फूंक कर नाराजगी जताई है। जैन ने कहा कि दलितों के प्रति उनकी बातें हैं वह एक-एक कर बिगड़े बोल सामने आ रहे हैं। जैन ने कहा कि यह सब जनता देख रही है। जाति और धर्म के आधार पर भाजपा राजनीति कर रही है। भाजपा के दो चेहरे हैं, जोकि साफ नजर आ रहे हैं। इससे पहले भी भीमराव अंबेडकर के लिए भी टिप्पणी की गई थी। ज्ञानदेव आहूजा की ओर से मंदिर में जाकर शुद्धिकरण करना यह भारतीय जनता पार्टी की मानसिकता को दर्शाता है। ज्ञानदेव आहूजा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगे नहीं तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेंगे। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व अजमेर सरस डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा में एक ऐसा मेंटल केस है, जिसका मेडिकल बोर्ड गठित कर जांच करनी चाहिए। यह मेंटली फिट नहीं है।

पूर्व विधायक आहूजा व भाजपा सरकार का पुतला फूंकते कांग्रेसी।

इस घटना से दलितों का अपमान हुआ है। भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर जनता से माफी मांगनी चाहिए। प्रदर्शन में अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी पीसीसी सदस्य हेमंत भाटी, भागचंद गुर्जर, प्रताप यादव शिव कुमार बंसल, श्याम प्रजापति, विपिन बेसिल, नरेश सत्यवाना, हितेश्वरी टांक, अनीता चौरसिया, मंजू बलई तारा यादव लक्ष्मी बुन्देल, गजेंद्र सिंह रलावता, सुनील धानका, मनोज कंजर, कैलाश कोमल, नीरज यादव आलोक गुप्ता, मनीष शेट्टी, अंकुर त्यागी, चंदन सिंह निर्मल बेरवाल, शमसुद्दीन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे!

- **कांग्रेसियों ने फूंका पुतला, माफी मांगने की मांग**

पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष राठौड़ ने जताई नाराजगी : पूर्व आरटीडीसी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मंदिर जाने के बाद भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा गंगाजल छिडक़ना भारतीय जनता पार्टी की दलितों के प्रति दुर्भावना को दर्शाती है। वर्तमान के दौर में भाजपा नेताओं द्वारा दर्शाई गई संकीर्ण मानसिकता कतई स्वीकार्य नहीं है। इसकी जितने शब्दों में निंदा की जाए वह कम है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अपने वरिष्ठ नेता को अपनी पार्टी के इस व्यवहार पर अपना रवैया जरूर स्पष्ट करना चाहिए। जनता जानना चाहती है कि क्या इस घृणित कृत्य के लिए भाजपा अपने नेता पर कार्रवाई करेगी।

जन सेवा शिविर बुधवार को

अजमेर। आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय गुरुवार को अटल जन सेवा शिविर का आयोजन किया जाता है। इस माह के द्वितीय गुरूवार को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण समस्त ब्लॉक स्तर पर अटल जन सेवा शिविर का आयोजन बुधवार 9 अप्रैल को किया जा रहा है। जिला कलक्टर द्वारा जनसुनवाई एवं पर्यवेक्षण करने के साथ ही जनसुनवाई में प्राप्त परिवादों की समीक्षा भी की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलैक्टर ज्योति ककवानी ने बताया कि उपखण्ड स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई को अटल जन सेवा शिविर में समायोजित किया गया है।

ये शिविर प्रात: 10 बजे से जन सुनवाई पूरी होने तक आयोजित होंगे। इनमें समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इनके लिए सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उपखण्ड पुष्कर एवं रूपनगढ़ के शिविर उपखण्ड मुख्यालय पर तथा उपखण्ड अजमेर, नसीराबाद, किशनगढ़, पीसांगन, अरांई, केकड़ी, सावर, भिनाय एवं सरवाड़ के शिविर पंचायत समिति मुख्यालय पर आयोजित होंगे। जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा भिनाय के शिविर में जनसुनवाई की जाएगी।

सार-समाचार

शिविर में 110 रोगी हुए लाभान्वित

शिविर में मरीजों की जांच करते हुए चिकित्सक।

अजमेर, (कासं)। श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा मंगलवार को संस्था परिसर में नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि कैंप में वरिष्ठ डॉ. आरके चंडक ने अपनी सेवाएं दी, शिविर में 110 मरीजों को सेवाएं प्रदान की तथा निशुल्क दवा का वितरण किया गया। कैम्प के लाभार्थी स्व.हस्तीमल कोठारी की पुण्य स्मृति में संजय कुमार सुशील कुमार कोठारी बैंगलोर जालियां 2 एवं स्वर्गीय खिल्ली देवी धर्मपत्नी स्व.चूहड़मल पेशवानी की पुण्य स्मृति में तेजुमल, सतीश, चेतनदास पेशवानी पूर्व पालिका अध्यक्ष गुलाबपुरा की ओर से यह शिविर आयोजित किया गया। माह के चारों शिविरों में डॉ. राकेश चौधरी राजकीय चिकित्सालय गुलाबपुरा की देखरेख में संपन्न हुआ, जिसमें 225 से व्यक्तियों ने लाभ उठाया। अनिल चौधरी ने मरीजों को मृगी रोग से बचाव व योगा के बारे में विस्तार से समझाया। संस्था के मंत्री पदमचंद जैन खटोड़ ने संस्था की गतिविधि की जानकारी दी। अध्यक्ष घेवर चंद श्रीमाल ने लाभार्थी का स्वागत अभिनंदन किया। संगठन मंत्री पारस मल बाबेल ने आभार व्यक्त किया। चेतनदास पेशवानी व गौरव पेशवानी ने सभी मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभ कामनाएं देते हुए संस्था के कार्यों की सराहना की। शिविर में लाभार्थी परिवार के दीपा, कन्हैया, श्याम, मनोज, मुकेश, गौरव पेशवानी उपस्थित रहे। संस्था के मदनलाल लोढ़ा, मदनलाल रांका, सुरेश लोढ़ा, बंसीलाल डोसी, प्रेम पाड़लेचा दिनेश जोशी, कमल कावडिय़ा, दिलीप पाराशर, अनिता रांका, पूजा कोठारी आदि ने सेवाएं प्रदान की। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया।

3 सिलेण्डर जब्त

अजमेर। रसद विभाग द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के अवैध उपयोग की सूचना पर नसीराबाद रोड़ क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेण्डरों की धरपकड़ का अभियान चलाया गया। मंगलवार को जांच दल द्वारा 3 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर जब्त किए गए। जिला रसद अधिकारी प्रथम रतन कौर ने बताया कि ओम चाट भण्डार नसीराबाद रोड़ से 2 एवं ओम जी चाट भण्डार नसीराबाद रोड़ से एक घरेलू एलपीजी सिलेण्डर जब्त किए गए। इन फर्मों का यह कृत्य एलपीजी ऑर्डर-2000 का उल्लंघन है। साथ ही ये प्रकरण ईसी एक्ट 1955 की धारा 6 ए में जिला कलक्टर के न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे।

हमारे कर्म हमे ही भोगने पड़ेंगे : महासती प्राची

आसींद। जीतो एवं सकल जैन संघ की प्रेरणा से विश्व नवकार दिवस पर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ द्वारा इंद्रमल भंवरी देवी प्रवचन हाल में बुधवार को प्रात: 8.01 बजे से नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप महासती प्राची म.सा. आदि ठाणा 4 के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। महासती ने मंगलवार को प्रात: पुरानी परासोली से विहार करके आसींद में मंगल प्रवेश किया।

- **विश्व नवकार दिवस आज, जैन समाज करेगा नवकार का जाप**

महासती ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे कर्म जो हमने किए है वो हमे ही भोगने पड़ेंगे। कर्म किसी को भी नहीं छोड़ते है यहां तक कि जो तीर्थंकर हुए है उन्हें भी कर्मों को भोगना पड़ा है। जैसा हम बीज बोएंगें वैसा ही हमे मिलेगा। राग और द्वेष को खत्म करना है जिस दिन यह खत्म हो गया उस दिन आप जैन कहलाने के अधिकारी हो, जो आत्मा को जानता है वह जैन है। संसार का हर जीव शांति चाहता है तो फिर अशांति का वातावरण निर्मित ही क्यों करें। शांति रखने से परिवार, व्यापार, मित्रता सभी अच्छे से चलते है। साध्वी देवांशी ने भगवान महावीर की गाथा का 19 वे भव का वाचन किया जिसे सुनकर श्रावक श्राविकाएं मंत्र मुग्ध हो गए। श्रावक सुरेंद्र संचेती ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को तप त्याग के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर शोभा यात्रा एवं दीक्षार्थी भाइयों का वरघोड़ा सकल जैन संघ द्वारा निकाला जायेगा।

कांग्रेस का हल्ला बोल 16 अप्रैल को

मदनगंज-किशनगढ़। विधायक विकास चौधरी ने भाजपा पर आरोप लगाया की शहरी क्षेत्र में वार्डों के परिसीमन पर कांग्रेस के वार्डों को विलोपित किया है। विधायक चौधरी ने कार्यालय पर वार्ड पार्षद सहित कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर आपत्तियां दर्ज कराने को लेकर रूपरेखा तैयार की। नगर परिषद द्वारा पट्टा वितरण में देरी, भ्रष्टाचार, सफाई व्यवस्था व अन्य अनियमितताओं के खिलाफ 16 अप्रैल को नगर परिषद का घेराव किया जाएगा। विधायक चौधरी ने नगर परिषद की अव्यवस्थाओं के खिलाफ विधानसभा में आमजन की आवाज को उठा चुके हैं। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल, प्रतिपक्ष नेता हमीदा बानो, नगर अध्यक्ष आजम कुरैशी, पूर्व उपसभापति विपेंद्र सिंह, राधेश्याम वैष्णव, अभिषेक परसोया सहित कई वरिष्ठ नेता कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं पर चर्चा

मेड़ता सिटी। रैन बसेरा समिति के सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र गहलोत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला सचिव एवं एडीजे श्वाति शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान जितेंद्र गहलोत ने गत दिनों जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित रैन बसेरों आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं और इनके उपयोग के बारे में विस्तृत चर्चा की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्वाति शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्त्वपूर्ण योजनाओं का लाभ जरूरत मन्द को मिल सके इसके लिए भरसक प्रयास करने चाहिए।

साथ ही उन्होंने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशो की पालना करके आम जन की सहभागिता के सामाजिक ताने बाने को बनाए रखने के लिए अपेक्षित कार्य करने चाहिए।

- **गहलोत ने की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्वाति शर्मा से मुलाकात**

इस मुलाकात के दौरान स्थाई लोक अदालत सदस्य एडवोकेट विमलेश व्यास ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे कार्यों की चर्चा की तथा आगामी दिनों में आने वाली स्कीम्स के बारे में आम नागरिकों को जागरूक करने हेतु उपयुक्त कदम उठाने और उनके क्रियान्वयन की दिशा में काम करने की चर्चा की। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र कुमार गहलोत भी मौजूद रहे।

अटल सेवा शिविर का आयोजन आज

नसीराबाद, (निसं)। जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा आज 9 अप्रैल को अटल जन सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रात: 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक अथवा जनसुनवाई पूर्ण होने तक पंचायत समिति श्रीनगर के सभागार में आयोजित होगा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार अवकाश के दिनों में भी जन अभियोग एवं निराकरण विभाग द्वारा ऐसे शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है, जिससे आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान मौके पर ही किया जा सके। विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर शिविर में राजस्व, पंचायत राज, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, जलदाय, विद्युत, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। नागरिक अपने विभागीय कार्य जैसे प्रमाण पत्र, शिकायत निवारण, योजनाओं से जुड़ी जानकारी व लाभ हेतु आवेदन यहीं कर सकेंगे।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/14623169 दिनांक :- 04/04/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राशि 370.95 लाख की ई-निविदा दिनांक 22.04.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- AJD2526WSOB00003-00006
राज.संवाद/सी/25/428 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राज.
क्रमांक: न.प.कि./नाम हस्तान्तरण/2025/1032 **आम सूचना** दिनांक: 08/04/2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम सावंतसर के खसरा संख्या 444/1 पर स्थित आवासीय (भूखण्ड क्षेत्रफल 281.23 वर्गगज) पर श्रीमती लाली देवी पत्नी स्व. श्री भंवर लाल ने आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तान्तरण चाहा गया है।
उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है-
पूर्व में :- 60 फीट चौडा रास्ता पश्चिम में :- गली
उत्तर में :- 21 फीट चौडा रास्ता दक्षिण में :- रास्ता व प्रभुलाल प्रजापत का मकान
अतः उक्त नाम हस्तानान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नहीं होगी।
प्रभारी
नगर परिषद किशनगढ़

राजस्व वसूली में उत्कृष्ट कार्य पर प्रबंध निदेशक ने की सभी अधिकारियों की हौसला अफजाई

अजमेर। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के पंचशील स्थित मुख्यालय में माननीय प्रबंध निदेशक केपी वर्मा की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक वर्मा ने निगम क्षेत्र में लगभग शत-प्रतिशत राजस्व वसूली तथा विद्युत छीजत को 8 प्रतिशत से कम सीमित रखने पर अधिकारियों को बधाई दी एवं उनके प्रयासों की सराहना की। बैठक के दौरान सभी श्रेणी के लंबित कनेक्शनों को त्वरित गति से जारी करने, गर्मी के मौसम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, ट्रिपिंग को कम करने, डिफेक्टिव मीटरों को बदलने, मटेरियल मैनेजमेंट, स्मार्ट मीटर, स्पॉट बिलिंग तथा बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत न्यू कनेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम के प्रतिनिधियों की प्रेजेंटेशन से हुई। इस दौरान प्रबंध निदेशक व वरिष्ठ अधिकारियों ने ºएस टीम को आवश्यक सुधारों के सुझाव दिए एवं उन्हें शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि एनसीएमएस संबंधी कार्यप्रणाली को बेहतर समझने हेतु अजमेर डिस्कॉम के प्रत्येक सर्कल में वर्कशॉप आयोजित की जाए, जिससे अधिकारियों व कर्मचारियों की सभी शंकाओं का समाधान हो सके इसके पश्चात ठीन ट्री कंपनी के प्रतिनिधि रोहित सोनी द्वारा डिमांड साइट मैनेजमेंट पर प्रेजेंटेशन दी गई। बैठक के दौरान निदेशक तकनीकी मुकेश चंद्र बाल्दी ने निर्देश दिए कि 33 केवी जीएसएस व लाइनों का मेंटेनेंस वर्ष में दो बार-एक बार अप्रैल से जून एवं दूसरी बार रबी की फसल से पूर्व सितंबर से नवंबर के मध्य-सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्रों में अप्रैल माह में ही जीएसएस का मेंटेनेंस कार्य पूर्ण कर लिया जाए तथा यह कार्य प्रात:काल जल्दी आरंभ कर 11 बजे तक पूर्ण करने का प्रयास किया जाए।

बैठक में निगम की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं उपभोक्ता हितकारी बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के दौरान निदेशक तकनीकी मुकेश चंद बाल्दी, मुख्य लेखा नियंत्रक एम के गोयल, मुख्य अभियंता एम एल मीणा, अशोक कुमार, राजीव वर्मा, टीए टू एमडी अभिषेक गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन
मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में मेरा नाम भूलवश अमित अग्रवाल अंकित हो गया है जबकि मेरा सही एवं वास्तविक नाम अमृत अग्रवाल, AMRIT AGARWAL है अत: भविष्य में सभी आवश्यक कार्यों के लिए मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।
पता-अमृत अग्रवाल,163 एल.आई. सी. कॉलोनी, वैशाली नगर, अजमेर।

NAME CHANGE
I P.Elamma is Mother of Army No 15154102L, HAV, P.Kamaraju, Residing Vill- Loudigram, Po - Loudigram, Teh-Konisi, Dist-Ganjam, 760003 Have changed my name From P.Allamma to P.Elamma Vide affidavit no CA832254 Dt 8/4/2025 before court Campus Nasirabad

भाजपा नेता सुभाष चौधरी ने किया गांवों का दौरा

अरांई। युवा भाजपा नेता सुभाष चौधरी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में प्रदेश का अभूतपूर्व विकास करवाया जा रहा है। सबका साथ सबका विकास करते हुए समाज के हर तबके को फायदा पहुंच रहा है। चौधरी मंगलवार को अरांई क्षेत्र के दौरे में विभिन्न स्थानों पर ठाामीणों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा किसानों की हितैषी सरकार है। किसानों के हित में अनेक योजनाएं लागू की है। जिसका फायदा किसानों को मिल रहा है। सुभाष चौधरी ने चौसला, कटसूरा, अरांई, सील, सांदोलिया, ज्याणियों की ढ़ाणी छोटा लाम्बा सहित एक दर्ज से अधिक गांवों का दौरा किया। इस दौरान अरांई मण्ड़ल अध्यक्ष शिवरतन सिंह राठौड़, भाजपा महामंत्री जतन चौधरी, लक्ष्मण गोस्वामी श्योचन्द जाट, राजू ज्याणी, बद्री ज्याणी, भोजराज सारण, रामेश्वर चांगल, सांवरा जाट, कन्हैया लाल पुरी, करतार, भीचर व रामगोपाल चौधरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अजमेर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सचिव महेन्द्र कुमार ढ़ाबी द्वारा नारी निकेतन का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा मूलभूत सुविधाओं से लेकर गृहों के संचालन का जायजा लिया गया। सचिव द्वारा नारी निकेतन का संचालन, संस्थान के आधारभूत ढांचे एवं कार्यशैली के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अध्यनन सामठाी, मनोरंजन एवं खेल-कूद की व्यवस्था, शौचालय, स्नानघर का जायजा लिया गया। रसोईघर, खाने-पीने की व्यवस्था का जायजा लिया गया। नारी निकेतन में आवासनियों के साथ रह रहे बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था के लिए राजकीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जाता है। प्रति माह राजकीय चिकित्सालय से मनोरोग चिकित्सक द्वारा विजिट की जाती है। निकेतन में गर्भवती आवासनी के स्वास्थ्य व उसकी गर्भावस्था को ध्यान में रखकर उसकी चिकित्सा अथवा जांच सुनिश्चित की जाती है। नारी निकेतन में सुरक्षा की दृष्टि से पुरुष एवं महिला गार्ड की व्यवस्था है। वर्तमान में 35 महिलाएं आवासरत है। निरीक्षण के दौरान अधीक्षिका सुश्री पिंकी गोढवाल भी उपस्थित रही। सचिव द्वारा राजकीय बालिका गृह, अजमेर का निरीक्षण किया गया। गृह में मासिक रूप से चिकित्सक विजिट होती है। बालिका गृह में गर्मियों मे डेजर्ट कूलर एवं सर्दियों में कम्बल एवं रजाई उपलब्ध करवाई जाती है। आपात विद्युत आपूर्ति के लिए इवंर्टर की व्यवस्था है। बालिकाओं की काउसलिंग के लिए काउसंलर की व्यवस्था की गई है। वर्तमान में कुल बालिका गृह मे 19 बालिकाएं आवासरत है। निरीक्षण के दौरान अधीक्षिका सुश्री रेखा मेघवाल भी उपस्थित रही। सचिव द्वारा अवेयरनेस मॉड्यूल फोर सीनियर सिटीजन के तहत अपना घर आश्रम का निरीक्षण किया। दौराने निरीक्षण संस्था में स्टाफ की स्थिति, वृद्धजन को दी जाने वाली सहायता, कुशल परामर्शदाता, स्नानागार, पर्याप्त ओढने-बिछाने की व्यवस्था, वृद्धजन के दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता, भोजन की व्यवस्था आदि के संबंध में पूछताछ कर जांच की गई।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0
क्रमांक-न.प.बि./भूमि/2025/79 **लोक सूचना** दिनांक : 04.04.2025
(1) श्री आशिष बैरवा पुत्र श्री किशनलाल बैरवा(2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री अश्वनी बैरवा निवासीगण बिजयनगर तहसील बिजयनगर जिला ब्यावर(राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्र
जिला ब्यावर तहसील बिजयनगर	बिजयनगर	517	1898.00 वर्गमीटर आवासीय प्रयोजनार्थ

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनु ज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गयी।
प्राधिकारी अधिकारी एवं
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाड़ा (राजस्थान)
भीलवाडा रोड रोडवेज बस स्टैण्ड के पास
E-Mail ID-combebp@yahoo.in spbgulabpura@gmail.com Telephone No.01483-223079
क्रमांक-न.प.गु./2025/2105-08 **आपति आमंत्रण सूचना** दिनांक : 27.3.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर श्रीमती सकसाना बानू पत्नि श्री शराफत अली तेलीपाड़ा, गुलाबपुरा ने प्रार्थना पत्र पेश राजस्व ग्राम गुलाबपुरा के खसरा नम्बर 113/1.5023/113 5022/113 में भूखण्ड संख्या 13 बनाम 18.11x50 वर्गगज का पट्टा विलेख क्रमांक 178 दिनांक 20.03.2013 से श्री सरदार सिंह बम्ब पुत्र श्री सादुलाल बन्द निवासी गुलाबपुरा के नाम से जारी किया गया प्रार्थी द्वारा उक्त भूखण्ड संख्या 13 बनाम 1811×50 में से पश्चिमी दिशा की तरफ का हिस्सा बनाप 18.11X25 क्षेत्रफल 50.33 वर्गगज का विखण्डन वास्ते प्रकरण मालिका में प्रितुत किया गया है। जिसको नाप पडोस निम्नानुसार है-
भूखण्ड संख्या-13 का पश्चिम दिशा की तरफ का हिस्सा बनाप 18.11X25=50.33 वर्गगज
पूर्व - इसी प्लॉट कर शेष भाग स्थित पश्चिम- प्लॉट नम्बर 12 स्थित
उत्तर- आम रास्ता 30 फीट स्थित दक्षिण- प्लॉट संख्या 14 स्थित
उक्त पडौसान के मध्य स्थित भूखण्ड का पालिका द्वारा भूखण्ड संख्या 13 का पश्चिम दिशा की तरफ का हिस्सा बनाप 18.11X25-50.33 वर्गगज का विखण्डन किया जाता है। तो के संबंध में किसी को कोई भी आपति हो तो आपति प्रकाशन तिथि से 07 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष पालिका कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा। किसी को भी कोई आपति/ एतराज मान्य नहीं होगा।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका गुलाबपुरा

छात्राओं ने सीखे आत्म सुरक्षा के गुरु

अजमेर, (कासं)। छात्राओं में आत्मरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाने तथा समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को प्रेरित करने दिशा में मंगलवार को सोफिया गर्ल्स कॉलेज में महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर एवं निर्भया ब्रावो अवार्ड समारोह आयोजित हुआ। शिविर में शहर की 21 स्कूलों एवं संस्थाओं की एक हजार से भी अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

करीब 2 घंटे तक छात्राओं को विभिन्न परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा हेतु गुरु सिखाए गए। प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत विशेष तौर पर इस बात पर जोर दिया गया कि छात्राएं बिना किसी डर के अपनी सुरक्षा के लिए किस भी परिस्थिति में लड़ सकती है, अलग अलग प्रशिक्षण दिया गया।

- **28 महिलाएं निर्भय ब्रावो अवार्ड से सम्मानित**

आत्म रक्षा के गुर सिखाते हुए निर्भया सेना के पदाधिकारी तथा उपस्थित छात्राएं।

सोफिया कॉलेज की प्राचार्य प्रोफेसर सिस्टर पर्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि विधायक अनीता भदेल, सीआरपीएफ के श्रीराम मीणा, पद्मिनी सिंह, अंजना यादव, डॉ.रेखा मेहरा अतिथियों ने पुरस्कार वितरित किए।

पुरस्कार प्राप्त करने वालों में प्रोफेसर मीनाक्षी गहलोत, मेजर मीनाक्षी जैन, डॉ. ज्योति गजरानी, प्रोफेसर मोनिका कानन एवं मीना शर्मा शामिल रही। इसके अतिरिक्त निर्मला शर्मा, इंद्रकांत, सुमित्रा पाठक, प्रेरणा, द्रौपदी देवी, नीतू कुमारी, इंदिरा पंचोली, मधु खंडेलवाल, आयुषी उपाध्याय, भारती श्रीवास्तव, सोनिया बीजावत, प्रियंका, सरिता चौहान हेमलता, गीता मीणा एवं नीतू गुर्जर को भी यह सम्मान प्रदान किया गया।

इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाली विभिन्न संस्थाओं में आर्यन पब्लिक स्कूल देहली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, एच के एच पब्लिक स्कूल, ख्वाजा मॉडल, महाराजा अग्रसेन, मिशन गर्ल्स, क्वीन मैरी, रायन इंटरनेशनल, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, हरि कन्या स्कूल, सोफिया भट्टा, सोफिया कॉलेज, सोफिया स्कूल, सेंट फ्रांसिस नर्सिंग कॉलेज, सेंट फ्रांसिस स्कूल, सेंट टेरेसा स्कूल, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, सेंट जोसेफ, सेंट टेरेसा स्कूल एवं सोफिया स्कूल हाथी खेड़ा की करीब एक हजार से भी अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उ.प.रे., अजमेर, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से ई-निविदा सं. 42245623A दिनांक 05.04.25 को, जिसकी बंद होने की तारीख 05.05.25 को 14.25 बजे तक रहेगी, आमंत्रित कर रहे हैं. निविदाकार निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक ही अपनी मूल / संशोधित निविदा प्रस्तुत कर पाएंगे. मैनुअल (ई-निविदा के अलावा) प्रस्ताव इस निविदा के विरुद्ध मान्य नहीं होंगे. इस तरह के मैनुअल प्रस्तावों पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। **आपूर्ति का विवरण:** Complete set of seat cushioning material molded type pu foam as per mcf specification No. mmdts 19020 rev-05 amendment-01 or latest/Silicon Foam for Seat & Berth as per RDSO Specification No. RDSO/2013/CG-13 (Rev 1) AND Fire Properties to EN 45545 Part-2 HL-3 OR Latest for LHB Second AC chair car (LWSCZAC - 78 seaters) (one set consists of 78 No. seats and 78 Nos. back) as per Drg. SKT-2023/33/C R-1 & SKT-2023/34/C R-1, मात्रा: 18. सेट्स, **निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक एवं समय:** ई-निविदा को 05.05.2025 को 14.25 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है, **वैबसाईट विवरण:** ireps.gov.in
397-PS/25
हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय ग्राम पंचायत गुन्दली पंचायत समिति सुवाणा, जिला भीलवाड़ा
क्रमांक-न.प.गु./2025-26/03 -निविदा सूचना संख्या 1 - दिनांक : 02/04/2025
जिला परिषद एवं ग्राम पंचायत गुन्दली द्वारा जारी निम्नांकित योजनाओं के कार्यों की स्वीकृतियां (एफ.एफ.सी व एस.एफ.सी षष्ठम एवं अन्य योजना) जी शिड्यूल के अनुसार, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से मोहरबन्द लिफाफों में निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र 09.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक विकय किये जायेंगे। भरी हुई निविदाएँ दिनांक 09.04.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक स्वीकार की जायेंगी। प्राप्त निविदाओं को इसी दिनांक को 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष कय समिति द्वारा ग्राम पंचायत गुन्दली में खोला जावेगा।

क्र सं.	कार्य का नाम	ग्राम	अनुमानित लागत लाखों में	निविदा फार्म मूल्य रू.	वि.वि.
1	ग्राम दादिया में रोड लाईट कार्य	गुन्दली	4.00	500	
2	ग्राम बांसडा में रोड लाईट स्ट्रीट लाईट कार्य ग्राम बांसडा	गुन्दली	4.44	500	
3	ग्राम गुन्दली में रोड लाईट स्ट्रीट लाईट कार्य ग्राम गुन्दली	गुन्दली	6.66	500	

UBN-ZBL2526WSOB00034 to 36
शर्ते - निविदा
1. निविदा से संबंधित अन्य शर्ते एंव समस्त विवरण को वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in पर एंव कार्यालय समय में देखी जा सकता है।
2. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार करने या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार कय समिति/अधोहस्ताक्षरकर्ता में निहित होगा।
3. अमानत राशि हेतु 2 प्रतिशत मूल ही डीडी सरपंच ग्राम पंचायत गुन्दली के नाम से संलग्न करना होगा।
4. निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय द्वारा जारी ही मान्य होगा।
शम्भू लाल गुर्जर
सरपंच
पं.स सुवोणो भीलवाड़ा

राज्य सरकार किसानों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है : भजनलाल

'बजट में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के लिए 3400 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया '

हनुमानगढ़/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। किसान कल्याण के लिए हम प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। सरकार ने किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रूपए कर दिया है। गेहूं की एमएसपी पर 150 रूपये का अतिरिक्त बोनस देने का निर्णय किया गया है। इस निर्णय का श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले के किसानों को बहुत लाभ मिलेगा, क्योंकि ये राज्य के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक जिलों में से है। हमने करीब 47 लाख किसानों को लगभग 29 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण भी वितरित किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को हनुमानगढ़ के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं किसानों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह तथा सर्किट हाउस में आयोजित कार्यकर्ता बैठक को संबोधित किया।

हनुमानगढ़ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने स्वागत किया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ में कार्यकर्ताओं एवं किसानों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में शिरकत की

उन्होंने कहा कि मैं स्वयं किसान परिवार से आता हूं। इसलिए किसानों की समस्याओं को भली भांति समझता हूं। सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो, इसके लिए हमने सरकार में आते ही ईआरसीपी को लेकर महत्वपूर्ण समझौता किया। हमने इस परियोजना का नामकरण राम जल सेतु लिंक परियोजना करते हुए इसके तहत 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्य प्रारंभ कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह हमने शेखावाटी को यमुना जल समझौते की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के लिए बजट में हमने 3 हजार 400 करोड़ के कार्यों की घोषणा की है। यहां के किसानों की पक्के खालों के पुनर्निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने के लिए 590 करोड़ रुपये की लागत से संगरिया, टिब्बी, रावतसर, हनुमानगढ़ और पीलीबंगा के कुल एक लाख सात हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जिससे सिंचाई का तंत्र और अधिक सुदृढ़ होगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। हमारे लिए सबसे पहले राष्ट्र है, पार्टी और व्यक्ति बाद में हैं। इस दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, पूर्व सांसद निहालचंद मेघवाल, पूर्व विधायक धर्मेन्द्र मोची एवं गुरदीप शाहपीनी, भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा प्रदेश मंत्री विजेन्द्र पूनिया, भाजपा के हनुमानगढ़ जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू, सभी जिला मोर्चा अध्यक्षों सहित भाजपा कार्यकर्ता, किसान एवं आमजन उपस्थित रहे।

प्लास्टिक के शोरूम में लगी आग से 80 लाख का नुकसान

शॉर्ट सर्किट होने से शोरूम के पीछे गोदाम में आग लगी थी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक प्लास्टिक के सामान के शोरूम में अचानक आग लग गई। शोरूम खोलने के कुछ ही मिनट बाद आग लग गई जो धीरे-धीरे बेकाबू होती गई। तेज लपटें और धूएं का गुबार देख आसपास लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। आग लगने से करीब 80 लाख रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक प्लास्टिक के सामान के शोरूम में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट रूप से पता नहीं लगा है। स्मार्ट शॉपी नाम के शोरूम में प्लास्टिक के टेबल, कुर्सी सहित बर्तन आदि सामान बेचे जाते हैं। शोरूम में रखा सामान जलकर राख हो गया। ऐसे में लाखों रुपए का भारी नुकसान हुआ है। दुकान मालिक मोहनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि शॉर्ट सर्किट होने से आग शोरूम के पीछे गोदाम में लगी थी। स्टाफ को जब पता लगा तो उन्होंने फायर फाइटिंग सिस्टम से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन धीरे-धीरे आग बेकाबू होते हुए फैलती गई, जिसके बाद स्टाफ ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई। दुकान में लगभग सारा माल जलकर राख हो गया।

- स्टाफ ने फायर फाइटिंग सिस्टम से आग बुझाने की कोशिश की

स्कूल से लाखों का माल चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। जिले के झाड़ोल थाना क्षेत्र में मोहम्मद फलासिया स्थित राजकीय विद्यालय से लाखों का माल चोरी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी किया नौ लाख का माल बरामद किया।

प्रकरण के अनुसार 4 अप्रैल 2023 को हेमन्त पुत्र प्रभुलाल निवासी गोदाणा हाल प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहम्मद फलासिया ने झाड़ोल पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि विद्यालय से राज्य सरकार की योजना के तहत प्राप्त 2 एलईडी, सेटअप बॉक्स व अन्य सामग्री चोरी हो गई हैं, जिसकी बाजार कीमत 9 लाख रूपये है।

- आरोपियों से पुलिस ने चोरी किया नौ लाख का माल बरामद किया

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक नेत्रपालसिंह के सुपरविजन में झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रोशनलाल पुत्र दीताराम निवासी मोहम्मद फलासिया, अशोक कुमार पुत्र मालूराम निवासी मोहम्मद फलासिया, लोकेश कुमार पुत्र शिवलाल निवासी मोहम्मद फलासिया को डिटेन कर पूछताद के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों चोरी किया नौ लाख रूपये का माल बरामद किया। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

निजी लैब से जांच कराने पर अधीक्षक जयपुर तलब

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल में मरीजों के निशुल्क इलाज के नाम पर अव्यवस्थाएं थम नहीं रही। बच्चा अस्पताल में मरीजों को दवाएं भी खरीदनी पड़ रही हैं। बुखार, एलर्जी, दस्त जैसी सामान्य दवाएं भी डीडीसी पर नहीं मिल रही हैं। उधर भर्ती बच्चों की जांचें निजी लैब से कराने के मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट लेकर अधीक्षक को जयपुर तलब कर लिया गया है।

पीबीएम बच्चा अस्पताल में बच्चों के बुखार के लिए सिरप पेरासीटामोल, अस्थमा में काम आने वाली सालबुटामोल, एंटी एलर्जी सेट्राजीन, हाइड्रोजन ड्रॉप, नेजल स्लीव, सिरप मल्टीविटामिन, पोटेशियम क्लोराइड, फेनोबार्टियो, एजीथ्रोमाइसिन 250, लैक्टिक एसिड और इंजेक्शन सोडियम वैलप्रोएट की निशुल्क सप्लाई नहीं हो रही। ओपीडी और आईपीडी दोनों ही तरह के मरीजों का यह दवाएं डीडीसी पर निशुल्क उपलब्ध नहीं है। उन्हें मजबूरी में बाहर से खरीदनी पड़ रही है। अधिकांश मरीज बुखार, जुकाम, एलर्जी, दस्त के आ रहे हैं। उन्हें पूरी दवाएं नहीं मिल रहीं। सबसे ज्यादा परेशानी भर्ती मरीजों को हो रही है। रात के समय इमरजेंसी में दवा की जरूरत पड़ने पर अस्पताल से बाहर मेडिकल की दुकानों पर जाना पड़ता है।

पन्द्रह लाख का अवैध-डोडा पोस्त सहित एक गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के भीनमाल पुलिस ने मंगलवार को 99 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त परिवहन में प्रयुक्त वाहन स्वीफ्ट कार को भी जब्त किया है। बरामदसुदा अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की बाजार कीमत 15 लाख रूपये आंकी गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली कि एक स्वीफ्ट गाड़ी संदिग्ध लग रही है तथा उसमें अवैध मादक पदार्थ भरा हुआ होने की संभावना है जिस पर जिले में नाकाबंदी शुरू की गई। पुलिस थाना रामसीन एवं भीनमाल की नाकाबंदी तोड़कर फरार होने पर एक स्वीफ्ट कार की गजीपुरा, कोडिटा, सावीदर, खाण्डादेवल में तलाश की गई तथा पीछा कर रामेश्वर भाटी थानाधिकारी भीनमाल मय जाब्ता द्वारा सरहद गजीपुरा से स्वीफ्ट कार मय आरोपी को दस्तयाब किया गया। कार की तलाशी ली गई तो 6 प्लास्टिक के कट्टे व एक बोरे में 99 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त मिला। डोडा-पोस्त को बरामद कर आरोपी धोलाराम उर्फ धिरेन्द्र पुत्र करनाराम तेतरवाल विश्नोई निवासी लापला की ढाणी पुनासा को गिरफ्तार किया गया।

- छह प्लास्टिक के कट्टे व एक बोरे में 99 किलो डोडा-पोस्त मिला

भीनमाल पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त सहित एक आरोपी को गिरपतार किया

वहीं सहयोगी आरोपी विकास पुत्र किसनाराम जांगु विश्नोई निवासी पुनासा की तलाश जारी है। मुलजिम के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच थानाधिकारी पुलिस थाना रामसीन द्वारा की जा रही है। बरामद अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की बाजार किमत करीबन 15 लाख रूपये आंकी गई है।

खेत में दबिश देकर अफीम डोडा-चूरा पकड़ा

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस को मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत जयपुरा गांव के एक खेत से 74.815 किलो अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी हरजीलाल यादव के मार्गदर्शन में कपासन थाना पुलिस ने यह अहम कार्रवाई अंजाम दी।

कार्यवाहक थानाधिकारी चन्द्र प्रभात के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर जयपुरा गांव स्थित एक खेत में दबिश दी। तलाशी के दौरान खेत में तिरपाल के नीचे छिपाकर रखे गए चार प्लास्टिक के कट्टों में यह मादक पदार्थ मिला। पुलिस ने खेत से 74.815 किलो अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद कर खेत के मालिक कालूराम (25) पुत्र चुन्नीलाल गाडरी निवासी जयपुरा को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

इस कार्रवाई में कार्यवाहक थानाधिकारी चन्द्रप्रभात के साथ कांस्टेबल महेंद्र सिंह, राजेश, बद्रीलाल, कुंज बिहारी, किशनलाल, लक्ष्मीनारायण, वेदप्रकाश एवं चालक युवराज सिंह शामिल थे।

नशे में धुत्त बोलेरो चालक ने बाइकों को कुचला

मालपुरा, (निसं)। मंगलवार की दोपहर लाम्बाहरिसिंह कस्बे मे मोरला रोड पर नशे में धुत्त एक बोलेरो चालक ने सड़क किनारे खड़ी आधा दर्जन बाइकों को कुचल दिया। बस स्टेण्ड पर बैठे लोगों ने बताया कि दोपहर मे नशे में धुत्त एक व्यक्ति बोलेरो कार को बस स्टेण्ड से मोरला रोड तक तेज गति से भगाता हुआ ले जा रहा था। इसी दौरान चालक ने सड़क किनारे खड़ी आधा दर्जन बाइकों को टक्कर मार तकरीबन दो सौ मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। गनीमत रही कि हादसे के दौरान बाइकों पर कोई व्यक्ति सवार नहीं थे। लोगों ने पीछा कर बोलेरो चालक को दबोच धुनाई कर दी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस को लोगों ने चालक को पुलिस के सुपुर्द किया।

चोरी की 10 बाइक पकड़ी

कोटा, (निसं)। बपावरकलां पुलिस ने पूर्व में पकड़े गये दुपहिया दो वाहन चोरों से पूछताछ के आधार पर चोरी की 10 मोटरसाईकिलों को और बरामद किया हैं। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बपावरकलां पुलिस टीम ने एक फरियादी की मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट पर कार्यवाही कर दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया था।

मकान का ताला तोड़ जेवर व नकदी चुराई

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में स्थित मकान का चोर ताला तोड़कर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र पहाड़ा थाना क्षेत्र में सूने मकान से चोर चांदी के जेवरात चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित हेमन्त पुत्र औंकारलाल सोनी निवासी जे ब्लॉक सेक्टर 14 के सूने मकान का अज्ञात चोर गत दिनों ताला तोड़कर सोने का हार, सोने की 2 चेन, चार अंगूठियां, 4 चूड़ियां, चांदी की पायल 4 जोड़ी, बिछियां, 12 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। घर लौटने पर ताला टूटा हुआ एवं सामान बिखरा मिला, तलाश की तो जेवरात व नकदी गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इसी तरह पहाड़ा थाना क्षेत्र मंजू देवी पत्नी दयालाल लबाना निवासी आडीवली के सूने मकान का पांच अप्रैल रात में चोर ताला तोड़ कर चांदी के कड़े व कंदोरा चुरा ले गए। पीड़िता मंजूदेवी नड़ियाद माताजी के दर्शन करने गई थी। वापस लौटी तो ताला टूटा हुआ था एवं सामान बिखरा पड़ा था।

रामगंजमण्डी नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को निलम्बित किया

रामगंजमण्डी, (निसं)। स्वायत्त शासन विभाग ने मंगलवार को रामगंजमण्डी नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को निलम्बित किया है। दोनों को अलग-अलग आरोपों के तहत कार्यवाही करते हुए निलम्बित किया गया है। पालिकाध्यक्ष देवीलाल सैनी पर कार्मिकों से मिलीभगत कर पद का दुरुपयोग करते हुए कॉलोनाइजर को लाभ पहुंचाने एवं उपाध्यक्ष रमेश कुमार पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के आरोप हैं। मामले की जांच प्रभावित होने की संभावना के चलते दोनों को निलम्बित किया है। आदेश जारी होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई।

स्वायत्त शासन विभाग निदेशक इंद्रजीत सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार नगर पालिका रामगंजमण्डी में पालिकाध्यक्ष द्वारा पद का दुरुपयोग करते हुए कॉलोनाइजर को लाभ पहुंचाने एवं पालिका उपाध्यक्ष द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के मामले विभाग के सामने आए थे। इन मामलों की जांच डीडीआर कोटा से करवाई गई तो जांच में पालिकाध्यक्ष देवीलाल सैनी द्वारा नियम विरुद्ध रहन रखे गए पट्टों को जारी कर पंजीयन करवाया जाना पाया गया। वहीं पालिका उपाध्यक्ष रमेश कुमार द्वारा विभाग को प्राप्त जांच रिपोर्ट और आरोप पत्र के आधार पर प्रथम दृष्ट्या 1997 व उसके पश्चात से निरंतर नगरपालिका की बगीचा कुंड की भूमि में मोहनलाल सुखाड़िया कॉलोनी के भूखंड संख्या 33 एवं 34 के नियमानुसार निष्पादन (नीलामी) की कार्यवाही को एक से अधिक बार बाधित किया गया है, जिससे नगरपालिका को राजस्व हानि हुई और रमेश कुमार उपाध्यक्ष नगरपालिका रामगंजमंडी एवं उनके परिवार का नगरपालिका रामगंजमंडी की भूमि पर कब्जा है। इस पर पालिकाध्यक्ष और उपाध्यक्ष को नोटिस जारी किए गए, लेकिन विभागीय स्पष्टीकरण के नोटिस पर दोनों के जबाव संतोषप्रद नहीं मिले।

आदेश में बताया गया है कि ऐसे में पालिकाध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने पद का दुरुपयोग किया है और राज्य सरकार की ओर से नगर पालिका अधिनियम में न्यायिक जांच करवाने का निर्णय लेते हुए यह प्रकरण न्यायिक जांच के लिए विधि विभाग को प्रेषित किए हैं। पद पर रहने से जांच प्रभावित होने की संभावना है। तथ्यों, प्राप्त रिपोर्ट और संबंधित रिकार्ड के आधार पर पालिकाध्यक्ष सैनी और उपाध्यक्ष रमेश कुमार को नगर पालिका अधिनियम की धाराओं के तहत सदस्य पद से भी निलंबित किया है। नगर पालिका रामगंजमण्डी के ईओ तरुण कुमार लहरी ने बताया कि पालिकाध्यक्ष देवीलाल सैनी और उपाध्यक्ष रमेश कुमार को डीएलबी ने आदेश जारी कर निलम्बित कर दिया है। इसके आदेश प्राप्त हो गए हैं।

निलम्बित पालिका अध्यक्ष देवीलाल सैनी

निलम्बित पालिका उपाध्यक्ष रमेश कुमार

- पालिकाध्यक्ष पर कार्मिकों से मिलीभगत कर पद का दुरुपयोग कर कॉलोनाइजर को लाभ पहुंचाने का आरोप हैं
- पालिका उपाध्यक्ष रमेश कुमार पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के आरोप हैं

Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad
(3rd Floor, B-Block Udhyog Bhawan, C-Scheme, Jaipur-302005) Contact no. 2227416, 5188112
40(2)RD/RGAVP/Store/2024/-00703/310 Dated :- 07/04/2025
NOTICE INVITING BIDS
Online Bid for Purchase of VC Setup for Meeting Hall AIO Computer and AIO Printer for Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad (Third Floor, B- Block, Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur) by 22/04/2025 till 2 PM. The estimated value of procurement is Rs 18,50,000/-. Bid is to be applied only through e-Proc https://eproc.rajasthan.gov.in/. Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal htpp://sppp.rajasthan.gov.in of the State and RGAVP portal.
NIB RGA2526A0003, UBN RGA2526GSLB00004
Tender Reference No.: 15395, Tender ID: 2024_RGAVP_429597_1
Raj.Samwad/C/25/433 Project Director (Admin), RGAVP

कार्यालय नगर पालिका कुड़ी भगतासनी जिला-जोधपुर
सेक्टर-सी विवेक विहार योजना, कुड़ी भगतासनी, जोधपुर
ई-मेल- Np.kudi.bh@rajasthan.gov.in
क्रमांक : न.पा.कु./2024-25/717 दिनांक :- 03.04.2025
NOTICE INVITING BIDS
Bid for Annual Rate Contrct of procurement are invited from interested Bidders upto 15.04.2025, 9.00 AM other perticulars of the bid amy be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) or (www.gem.gov.in) of the state, and local self department website.
NIB CODE :- DLB2526A0128
UBN :- DLB25256GSGB00504
राज.संवाद/सी/25/380 Executive Officer
Municipal Board KUDI BHAGTASANI

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/135-37 दिनांक : 04.04.2025
ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 01/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्यो की लागत 6.47 लाख रूपये से 46.38 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :- 1. DLB2526WSOB00598, 2. DLB2526WSOB00600, 3. DLB2526WSOB00602, 4. DLB2526WSOB00605
राज.संवाद/सी/25/474 आयुक्त, नगर परिषद बारां

कार्यालय नगर परिषद बारां
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां (राज0) Phone : 07453-230106
क्रमांक :- न.प.बा./स्वास्थ्य शाखा/2025/153-54 दिनांक :- 04.04.2025
निविदा सूचना संख्या : 02/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु इस कार्यालय के लिए कचरा उठाने वास्ते ट्रेक्टर-ट्रोली मय डीजल ड्राईवर किराये पर लेने के कार्य हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते वेब पार्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी देख सकते है। निविदायें http://eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से प्राप्त की जावेगी। कार्य की लागत 20 लाख रूपये है। तथा UBN NO. DLB 2526GLOB00703 है।
राज.संवाद/सी/25/472 आयुक्त, नगर परिषद बारां

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/ दिनांक :- 04/04/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - मुख्यालय/01/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो जो निविदा की निर्धारित शर्तो को पूर्ण करती है से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है। UBN No. : JOD2526WSOB00004
राज.संवाद/सी/25/426 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां
E Mail ID-npchhabra5@gmail.com Phone No-07452-222025
क्रमांक :-न0पा0छ0/2025/1841 दिनांक :- 04.04.2025
-:: ई-निविदा सूचना ::-
NIB NO- DLB2526A0173
नगरपालिका छबडा द्वारा निम्न कार्य हेतु अनुमानित 20.00 लाख रूपये की लागत से उपयुक्त श्रेणी में स्वायत शासन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/डाक दूर संचार विभाग रेल्वे इत्यादी में पंजिकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत है से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है संवेदक ई-निविदा को पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर देख सकते है एवं पोर्टल www.eprocument.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

S.No	UBN NO
1	DLB2526WSOB00675
Sppp पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	02.04.2025 को साय 4.00 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की प्रारम्भ तिथि	02.4.2025 सांय 5 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	15.04.2025 दोपहर 2 बजे तक
कार्यालय में दस्तावेज जमा कराने की तिथि	15.04.2025 सांय 4 बजे तक
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त तकनीकी बिड खोलने की तिथि	15.04.2025 सांय 5 बजे बाद

राज.संवाद/सी/25/378 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबडा

Jodhpur Development Authority, Jodhpur
E-Auction Programme of Residential, Commercial Plots & Flats in Jodhpur (April-June 2025)
(अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर भव्य ई-नीलामी)
क्रमांक :- एफ46 / नीलामी/2025/अप्रेल / 14598302 दिनांक 03.04.2025
82 भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी
दिनांक 30.04.2025 से 11.06.2025 तक
आवासीय, व्यावसायिक भूखण्ड एवं फ्लेट इत्यादि
विवेक विहार में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 455.38 वर्ग मीटर) 57
वोम्बे योजना ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड / आवास (41.80 वर्ग मीटर) 06
मेगा आवास योजना ग्राम आंगणवा में कुल फ्लेट (30.20 वर्ग मीटर) 19
ईएमडी जमा दिनांक 30 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ
ऑनलाइन बिड प्रारम्भ तिथि: 30 अप्रैल 2025 अंतिम तिथि : 11 जून 2025
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें।
राज.संवाद/सी/25/463
मोबाईल नं. 80030-94374, 09505-72382 फोन- 0291-2656355.2656356
नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें। नीलामी की प्रक्रिया SSO ID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।

एक घंटे तक जयपुर की सड़कों पर कार को 'मौत' बनाकर दौड़ता रहा उस्मान

नाहरगढ़ हिट-एंड-रन की घटना का पूरा रूट मैप बनाने में जुटी पुलिस

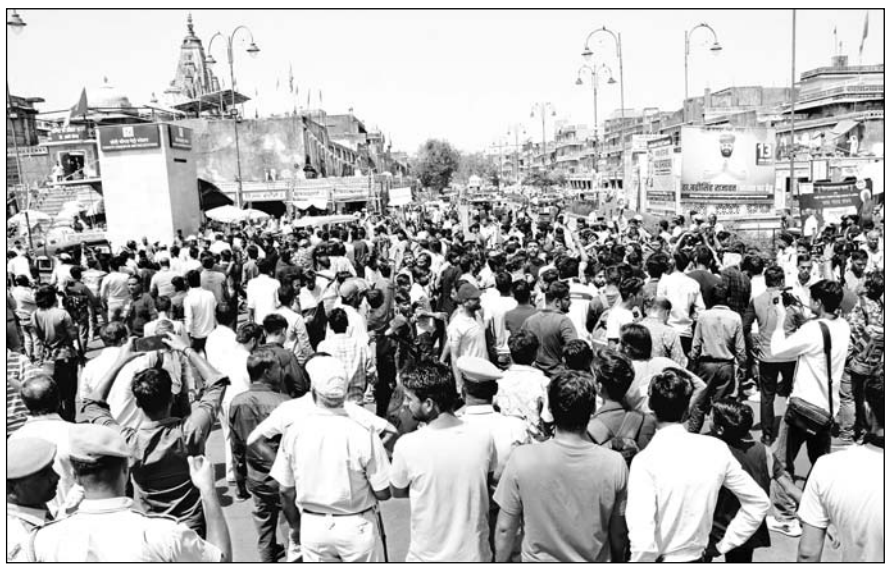

परकोटे में कांग्रेस नेता की कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत के बाद मंगलवार को सुबह लोगों ने छोटी चौपड़ पर जाम लगाया और नाहरगढ़ थाने के बाहर पीड़ित परिजनों ने धरना दिया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नाहरगढ़ इलाके में एस.यू.वी. कार से 3 लोगों को कुचलकर मारने वाला कांग्रेस नेता उस्मान करीब एक घंटे तक जयपुर की सड़कों पर कार को "मौत" बनाकर दौड़ाता रहा। पुलिस अफसरों ने मंगलवार सुबह एक्सीडेंट स्थल की दुबारा जांच की। एफ.एस.एल. टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए। पुलिस अब "हिट-एंड-रन" की इस घटना का पूरा रूट मैप तैयार करने में जुटी है। उधर उस्मान खान के खिलाफ मृतक महिला ममता कंवर के पिता ने मामला दर्ज करवाया है।

एडिशनल डीसीपी (उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत ने आरोपी उस्मान खान (62) ने सोमवार रात 9.30 बजे सबसे पहले एम.आई. रोड पर एक गाड़ी को टक्कर मारी। उसके बाद शहर की तंग गलियों से कार भगाते हुए वह नाहरगढ़ रोड पहुंचा था। हादसे में शास्त्री नगर निवासी वीरेंद्र सिंह (48), ममता कंवर (50), नाहरगढ़ रोड निवासी मोनेश सोनी (28), मानबाग खोर शारदा कॉलोनी निवासी मोहम्मद जलालुद्दीन (44) घायल हुए। वहीं, संतोषी माता मंदिर के पास निवासी दीपिका सैनी (17), गोविंदराव जी का रास्ता निवासी विजय नारायण (65), जेबुन्निशा (50), अंशिका (24) व लालदास का खाडा निवासी अवधेश पारीक (37) को भी घायल स्थिति में हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने ममता कंवर और अवधेश को मृत घोषित कर दिया।

मंगलवार सुबह एक और घायल वीरेंद्र सिंह ने भी दम तोड़ दिया। ममता कंवर और वीरेंद्र सिंह भाई-बहन थे। हादसे में गंभीर घायलों का सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के ट्रोमा वार्ड में इलाज चल रहा है। आरोपी उस्मान खान का भी सोमवार देर रात को ही मेडिकल कराया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वह काफी नशे में था। आरोपी ने नाहरगढ़ क्षेत्र में संतोष माता मंदिर के पास आरोपी ड्राइवर ने पहले स्कूटी-बाइक को टक्कर मारी, फिर सड़क पर

- **पुलिस अफसरों ने मंगलवार सुबह एक्सीडेंट स्थल की दुबारा जांच की, एफ.एस.एल. टीम ने भी मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए**
- **आरोपी उस्मान खान के खिलाफ मृतक महिला ममता कंवर के पिता ने मामला दर्ज करवाया है**

गिरे लोगों को कुचलते हुए भाग गया।

आरोपी उस्मान जयपुर के शास्त्री नगर की राणा कॉलोनी का रहने वाला है। कार की टक्कर से मौके पर दम तोड़ने वाले अवधेश पारीक सैनेटरी पैड बेचने का काम करते थे। वह दो भाई और दो बहन थे, जिनमें से एक बहन की पहले ही मौत हो चुकी है और एक भाई दिव्यांग है।

इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश उपजा और लोगों ने पुलिस थाने का घेराव कर लिया। नाहरगढ़ थाने के बाहर प्रदर्शन में विधायक बालमुकुंदाचार्य, भाजपा नेता ज्योति खंडेलवाल, मनीष पारीक और लक्ष्मीकांत पारीक बैठे। भाजपा युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल रहे। नाहरगढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने मुलाकात कर ढाढस बंधाया। उन्होंने घायल लोगों के परिजनों को भी उचित मुआवजा व घायलों को बेहत्तर उपचार दिलाने की बात कहीं।

कांग्रेस ने उस्मान को जिला उपाध्यक्ष पद से हटाया

हादसे के बाद कांग्रेस पार्टी ने कड़ा फैसला लेते हुए आरोपी उस्मान को कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष पद से हटा दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी की विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में लोहे के पलंग बनाने की फैक्ट्री है। उस्मान खान लंबे समय से कांग्रेस से जुड़ा रहा है। वो जयपुर जिला कांग्रेस का उपाध्यक्ष था। मंगलवार सुबह जिला अध्यक्ष आर.आर.तिवाड़ी ने उसे जिला कार्यकारिणी से निष्कासित कर दिया। उस्मान खान के खिलाफ मृतक महिला ममता कंवर के पिता ने मामला दर्ज करवाया है।

ऐसे अपराधी को कड़ी सजा मिले : बालमुकुंदाचार्य

हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि नाहरगढ़ रोड पर जो दर्दनाक हादसा हुआ, उसने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। एक कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा तेज रफ्तार गाड़ी से आम नागरिकों को कुचलना न सिर्फ अमानवीय है, बल्कि यह कानून की खुली अवहेलना है। इस हादसे में कई मासूमों की जान गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल है। बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि मैं पीड़ित परिवारों के साथ न्याय दिलाने के लिए धरने पर बैठा हूं। मै विश्वास दिलाना चाहता हूं कि दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मैं व्यक्तिगत रूप से इस मामले को देख रहा हूं और ऐसे अपराधी को कड़ी से कड़ी सज़ा दिलवाने के लिए संकल्पित हूं। मुझे अपनी सरकार पर पूरा भरोसा है कि न सिर्फ दोषी को सख्त सजा मिलेगी। बल्कि पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द उचित सहायता और मुआवजा भी मिलेगा। हमारी सरकार हमेशा पीड़ितों के साथ खड़ी रही है, और इस बार भी न्याय पूरी मजबूती के साथ होगा।

घायलों से मिलने पहुंची दिया कुमारी

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए हिट एंड रन मामले में घायलों से मिलने के लिए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एसएमएस के ट्रॉमा वार्ड पहुंची। जहां उन्होंने घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की और बेहतर इलाज का आश्वासन देते हुए चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में कोई कोताही ना रहे। साथ ही परिजनों को ढांढस बंधाते हुए उप

- **घायलों की पूछी कुशल क्षेम परिजनों को दिया आश्वासन**
- **'इलाज में नहीं बरती जाएगी कोई कोताही'**

मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस तरह की घटना से मैं बहुत आहत हूं। नियम कानून सब हैं लेकिन हमें उनके पालन करना भी जरूरी होता है।ऐसे में गाड़ी चलाते हुए उन तमाम चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। सरकार के साथ-साथ आम लोगों को भी इस चीज को समझना होगा। उन्होंने घटना के मृतक व्यक्तियों के प्रति अपनी संवेदनाऐं व्यक्त की और कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकार मृतक परिवारों के साथ खड़ी है। परिवारों को उचित मुआवजा भी दिया जाएगा और कोशिश की जाएगी कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

सार-समाचार

नई पीढ़ी का सिंधी भाषा से बढ़ायें जुडाव : वासुदेव देवनानी

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सिंधी भाषा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साहित्यिक परम्परा की वाहक है। सिंधी भाषा का सिंधी समुदाय की पहचान के साथ भाषागत विविधता को बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सिंधी भाषा से नई पीढ़ी के जुडाव को बढ़ाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुये कहा कि इससे सिंधी भाषा का विकास होगा और युवा अपनी संस्कृति और भाषा से जुड़ सकेंगे। देवनानी मंगलवार को गोवा में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद की अखिल भारतीय स्तर की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में परिषद के सदस्य और अधिकारी ने भाग लिया। देवनानी ने कहा कि सिंधी भाषा के विकास से ही सिंधी भाषा को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि सिंधी समुदाय के लोग अपनी भाषा और संस्कृति को दुनिया से साझा करें। इसी से सिंधी भाषा को संरक्षित करने और भाषा की विविधता को बढ़ावा मिल सकेगा। सिंधी समुदाय की युवा पीढ़ी भी अपनी जडों से जुडी रहेगी। बैठक में परिषद के सदस्यों से चर्चा करते हुये देवनानी ने सिंधी भाषा को बढ़ावा देने और उसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिये अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिये। देवनानी ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में सिंधी भाषा को एक विषय के रूप में शामिल किया जा सकता है साथ ही सिंधी साहित्य के सिंधी लेखकों, सिंधी समाचारपत्रों व मीडिया में सिंधी कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जावें। देवनानी ने कहा कि सिंधी समुदाय के लोगों को सिंधी भाषा के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

देवनानी की गोवा के राज्यपाल से मुलाकात

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को गोवा राजभवन में गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई से शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी की पिल्लई के साथ आधे घंटे की इस मुलाकात में गोवा और राजस्थान के ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। पिल्लई ने देवनानी को नव प्रकाशित पांच पुस्तकें भेंट की। देवनानी को पिल्लई ने हेवनली आईस लैण्ड ऑफ गोवा, बेसिक स्ट्रक्चर एण्ड रिपब्लिक, बामन वृक्ष कला, ओह मिजोरम और अहिल्या चिन्ताकाल पुस्तके भेंट की। देवनानी ने पिल्लई को उनकी रचनाओं के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने पिल्लई को विधानसभा का स्मृति चिन्ह और विधानसभा में नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक और विधान सभा की दैन्दिनी की प्रति भेंट की। गोवा के राज्यपाल ने देवनानी द्वारा विधानसभा में किये गये नवाचारों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उनकी इन पहलों को देश के अन्य विधान मण्डलों के लिए अनुकरणीय बताया। देवनानी के गोवा प्रवास के दौरान वहां के सिंधी समाज सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने उनका अभिनन्दन किया। देवनानी का शॉल ओढाकर, साफा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। देवनानी को गोवा के सिंधी समाज के कविता आसनानी, सन्नी नारंग, राजा मेलवानी और अनिल रहेजा ने गोवा में सिंधी समाज के उत्थान और विकास के लिए आवश्यकताओं पर चर्चा करते हुए समस्याओं के बारे में बताया।

राजस्थान और गोवा पर्यटन के ऐतिहासिक धरोहर : देवनानी

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान और गोवा पर्यटन की दृष्टि से राष्ट्र के ऐतिहासिक धरोहर है। उन्होंने कहा कि गोवा में समुद्र तट और राजस्थान में रेत के धोरे देश व विदेश के लोगो के लिये आकर्षण के केन्द्र है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जीवनशैली सादगी और आतिथ्य प्रेम के लिये और गोवा की जीवनशैली प्रकृति से निकटता से जुडने का माध्यम है। राज्यों की सांस्कृतिक विविधता ही राष्ट्र की एकता का परिचायक है। देवनानी ने गोवा में राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत व केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपद नायक भी उपस्थित रहे। यह समारोह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में राजस्थान के प्रवासी लोग मौजूद थे। समारोह में राजस्थान के लोक नृत्य और गीत प्रस्तुत किये गये। समारोह का शुभारंभ अध्यक्ष देवनानी ने दीप प्रज्जवलित करके किया। देवनानी का गोवा की धरती पर राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया गया। देवनानी ने कहा कि राजस्थान के लोग देश और विदेश में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे है। उन्होंने राजस्थान के प्रवासियों को अपनी जड़ों से जुड़ने का आव्हान किया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों के लोगों का सम्मान किया। देवनानी ने गोवा प्रवास के दौरान गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से मुख्यमंत्री आवास पर शिष्टाचार भेंट की। देवनानी ने सावंत से विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। देवनानी ने सावंत को राजस्थान विधान सभा का स्मृति चिन्ह, विधान सभा दैनंदिनी और नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक भेंट की।

नाटक का मंचन होगा

जयपुर। पुण्यश्लोका रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को बिड़ला सभागार में एक भव्य नाटक का मंचन किया जा रहा है।

एकल पट्टा प्रकरण में सुनवाई 15 को

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को पूर्व मंत्री शांति धारीवाल से जुडे चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता रहे अशोक पाठक को पक्षकार बनाए जाने के मुद्दे पर बहस हुई। वहीं अदालत ने शांति धारीवाल के वकील की मां के निधन के चलते मामले की सुनवाई 15 अप्रैल को रखी है। वहीं अदालत ने मामले में राज्य सरकार की ओर से गठित जस्टिस आर एस राठौड कमेटी के गठन को चुनौती देने वाली याचिका को मामले में अलग कर दिया है। अदालत ने पूर्व आईएएस जीएस संधू की इस याचिका को नियमित बैंच के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव की एकलपीठ ने यह आदेश शांति धारीवाल और राज्य सरकार की आपराधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान संधू और अन्य तत्कालीन सरकारी अधिकारियों के वकीलों ने मामले में अशोक पाठक के पक्षकार बनने के प्रार्थना पत्र का विरोध किया। वहीं राज्य सरकार के स्पेशल पीपी डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों को सुनवाई के लिए सीजे की एकलपीठ में भेजा है।

सी.एम.ने दादी रतनमोहिनी के देहावसान पर शोक जताया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के देहावसान पर गहरा शोक व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि करूणामयी व्यक्तित्व से परिपूर्ण दादी जी ने पूरा जीवन त्याग, तपस्या और मानवता की सेवा के लिए समर्पित किया। उनका देवलोकगमन आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय दादी रतनमोहिनी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संस्कृत विश्वविद्यालय का बजट रोकने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से गत 17 फरवरी को आदेश जारी कर जगद्गुरू रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का बजट रोकने के मामले में संस्कृत शिक्षा सचिव, वित्त सचिव व विवि के पूर्व वित्त नियंत्रक दुर्गेश राजोरिया से 15 अप्रैल तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश विवि के वीसी की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि विश्वविद्यालय में दुर्गेश राजोरिया को वित्त नियंत्रक नियुक्त किया था और उसके पास ही परीक्षा नियंत्रक का भी चार्ज था। इस दौरान उसने बिना एनरोलमेंट के ही करीब 600 स्टूडेंट्स को परीक्षा दिलवा दी। बाद में उन्होंने स्वयं ही प्रस्ताव बनाकर भेजा कि हर स्टूडेंट से 5000 रुपए वसूले जाए। याचिका में कहा गया कि स्टूडेंट्स से यह राशि वसूलने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं था और इसलिए विवि ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं दी। मामला राज्यपाल के यहां जाने पर इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई। कमेटी ने राजोरिया को दोषी करार दिया, लेकिन इस दौरान ही मिलीभगत कर राज्य सरकार से आदेश जारी करवा लिया कि जब तक स्टूडेंट्स से राशि की वसूली नहीं होतजी, तब तक विवि को बजट जारी नहीं किया जाए।

आहुति शुक्ला ने दिया कुमारी से भेंट की

जयपुर। अयोध्या की सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर आहुति शुक्ला ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात की। अयोध्या से आहुति शुक्ला उपमुख्यमंत्री से मिलने के लिए जयपुर पहुंची थी। जहां पर्यटन भवन में उनकी मुलाकात हुई।

छह जांबाज पुलिसकर्मी "कांस्टेबल ऑफ द मंथ से सम्मानित"

जयपुर पुलिस आयुक्तालय में मंगलवार को पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवार्ड से नवाजा।

जयपुर। जयपुर पुलिस आयुक्तालय में मंगलवार को एक खास आयोजन हुआ, जहां उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवार्ड से नवाजा गया। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने इन जांबाजों को सम्मानित करते हुए उनके समर्पण और निष्ठा की सराहना की।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा, "हमारे ये पुलिसकर्मी न केवल अपने फर्ज को निभा रहे हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। ऐसे ही प्रयास जयपुर को सुरक्षित बनाते हैं।"

वेदवीर (एसएमएस थाना, जिला पूर्व) ने अज्ञात मोबाइल चोरों की तलाश में दिन-रात एक कर दिया। सीसीटीवी फुटेज की गहन पड़ताल कर 2 शातिर चोरों को दबोचा और 7 लाख रुपए से

- **ये सिर्फ ड्यूटी नहीं, एक मिसाल है : पुलिस कमिश्नर**

अधिक कीमत के 43 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए।

सुभाष निठारवाल (कार्यालय सहायक, एसीपी झोटवाड़ा) ने हाथोज बस स्टैंड से स्कॉर्पियो में युवक की जबरन अपहरण की घटना में तुरंत हरकत में आए। स्कॉर्पियो का पीछा कर चार अपहरणकर्ताओं को धर दबोचा, और एक बड़ी वारदात को समय रहते रोका।

गिरधर सिंह (थाना माणक चौक, जिला उत्तर) ने सीसीटीवी की मदद से चार मोटरसाइकिलें और 12 एसी पार्ट्स बरामद किए। चोरी करने वाली गैंग की पहचान कर महत्वपूर्ण लीड दी।

छोटूराम (थाना मानसरोवर, जिला दक्षिण): ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर मूल वाहन बरामद करवाया। साथ ही तीन और वाहन चोरों को पकड़ कर 7 मोटरसाइकिलें जब्त कीं।

संतोष कुमार (यातायात शाखा, जिला पूर्व): ने नारायण सिंह सर्किल जैसे व्यस्त तिराहे पर 8 माह तक दिन-रात ड्यूटी निभाई। यातायात संचालन से लेकर बसों की पार्किंग तक, सब कुछ सुव्यवस्थित रखा।

संगीता (कार्मिक कल्याण प्रकोष्ठ): ने दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों से तत्काल संपर्क कर उन्हें सभी लाभ जल्दी दिलवाए। वर्ष 2024 में आए 28 दावा प्रकरणों में से 24 का त्वरित निस्तारण किया।

समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत आकस्मिक कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें : भास्कर ए. सावंत

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने कहा कि समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत कार्य सहित अन्य आकस्मिक कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें, जिससे इन कार्यों का लाभ ग्रीष्म ऋतु में आमजन को मिल सके एवं उन्हें किसी भी तरह की पेयजल की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने बजट घोषणा 2024-25 के तहत स्वीकृत ट्यूबवैल एवं हैण्डपंपों के कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये।

अतिरिक्त मुख्य सचिव मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण अभियंताओं के साथ बजट घोषणा, समर कंटीन्जेंसी कार्य एवं जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समर कंटीन्जेंसीज के तहत स्वीकृत कार्यों में किसी भी तरह की देरी अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं करने के लिए भी निर्देश दिये। उन्होंने बजट घोषणा 2024-25 के तहत स्वीकृत ट्यूबवैल निर्माण में भरतपुर रीजन की शून्य प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कम प्रगति वाले जिलों में समयबद्ध कार्य योजना बनाकर हर हाल में कार्य पूरा किया जाए। निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं होने की स्थिति में जिम्मेदार अभियंताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गर्मी के मौसम में सुचारू पेयजल व्यवस्था हेतु नलकूप निर्माण कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बिजली कनेक्शन के कारण चालू नहीं किये जा सके नलकूपों को कार्यशील करने के लिए ऊर्जा विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

सावंत ने कहा कि मुख्य सचिव के निर्देश पर अवैध कनेक्शन लेने वालों के विरुद्ध 22 मार्च से संचालित अभियान में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही अवैध कनेक्शनों के चिह्नितकरण के बाद उनके नियमितिकरण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएं। उन्होंने अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई नहीं करने वाले अभियंताओं के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए कहा। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि राइजिंग मेन लाइन से अवैध कनेक्शन लेने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाए। साथ ही अवैध कनेक्शन की वजह से जो वाटर

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक ली।

- **स्वीकृत ट्यूबवैल निर्माण में भरतपुर रीजन की शून्य प्रगति पर गहरी नाराजगी जताई**

सप्लाई बाधित हो रही है, उन्हें हटाने के लिए भी आवश्यक कार्यवाही की जाए, जिससे अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति को भी पानी मिल सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जल जीवन मिशन के तहत कार्य शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से कराए जाएं। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत तोड़ी गई सड़कों को भी ठीक कराया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत ओ एंड एम पॉलिसी शीघ्रता से लागू की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत पर दो नल जल मित्र नियुक्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक कमर उल जमान चौधरी, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव संदीप शर्मा, मुख्य अभियंता (ग्रामीण) के.डी गुप्ता, मुख्य अभियंता (शहरी) मनीष बेनीवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फ्लैट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर दो बार बेचा, आरोपी गिरफ्तार

कागज पर फर्जी सब रजिस्ट्रार की मुहर लगाई, दो बार में 41 लाख रुपए लिए

अलवर, (निसं)। अलवर सदर थाना पुलिस ने पत्नी के नाम दर्ज फ्लैट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर दो बार बेचान करने वाले आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी रवि जैन का अपना घर शालीमार में फ्लैट था, जिसे दो अलग-अलग व्यक्तियों को बेच दिया। दोनों के मुकदमा दर्ज कराने के बाद पुलिस ने आरोपी फ्लैट मालिक को अरेस्ट किया है। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सदर थाने के सहायक उपनिरीक्षक हरलाल ने बताया कि रवि जैन ने उप तहसीलदार और उप पंजीयक की फर्जी मुहर तैयार कर दस्तावेज तैयार कर लिए। पहले सीताराम किराड़ को 21 लाख रुपए में बेचा। उसके बाद मोहित जैन को 20 लाख रुपए में वही फ्लैट बेच दिया। आरोपी ने इतनी सफाई से

धोखाधड़ी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

- आरोपी ने इतनी सफाई से फर्जीवाड़ा किया कि किसी को शक नहीं हुआ, बाद में दो मालिक सामने आए, तब धोखाधड़ी का पता चला

फर्जीवाड़ा किया कि किसी को शक नहीं हुआ। बाद में दो मालिक सामने आए, तब धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद दोनों खरीददारों ने सदर थाना पहुंचकर रवि जैन के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इसके साथ रवि जैन की पत्नी ने भी फ्लैट बिक्री को लेकर तीनों के खिलाफ अलग से मामला दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रवि जैन को गिरफ्तार कर लिया है। सहायक उपनिरीक्षक हरलाल ने बताया कि आरोपी से फर्जी दस्तावेज तैयार करने के तरीके और उसके साथ जुड़े अन्य व्यक्तियों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

5 हजार का इनामी चोर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दो साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर पांच हजार रुपए का इनाम भी रखा था। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में लगी है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि 20 जनवरी 2024 को उर्मिला पत्नी मुकेश डामोर निवासी सेगल महुडी की ओर से केस दर्ज करवाया गया था। इसमें बताया कि 31 दिसंबर 2023 की रात के समय वह अपने तीन बच्चों के साथ घर के आंगन में सो रही थी। रात के समय उसके घर से पिटारी तोड़ने की आवाज सुनाई दी। जिस पर वह कंबल ऊंचाकर उठ गई। उसी समय आरोपी भागने लगा। उठकर वह उसके पीछे भागी तो उसने जान से मारने की नीयत से उस पर बाल्टी फैंकी, लेकिन वह बच गई। उसके बाद घर से निकलकर उसके दूसरे साथी भी भाग गए। घर में जाकर देखा तो चांदी के जेवरात और मोबाइल चुराकर ले गए। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में जांच करते हुए दो नाबालिग को डिटेन किया गया था। आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी के जेवर और मोबाइल बरामद किया था। साथ ही फरार आरोपी राजू पुत्र नारायण डोडियार, माली थाना पाटिया उदयपुर पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

पांच साल से फरार 15 हजार की इनामी महिला गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की हमीरगढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में 5 साल से फरार चल रही 15 हजार की इनामी महिला को गिरफ्तार किया है।

हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि 5 मार्च 2020 को तत्कालीन हमीरगढ़ थाना प्रभारी मुलचन्द वर्मा ने नाकाबन्दी के दौरान स्वीफ्ट कार

- नाकाबन्दी में पुलिस को कार में एमडीए पाउडर मिला था

को रूकवाकर चेक किया। कार में 68 ग्राम मेथीलीन ड्राईऑक्सी एम्फीटामाईन (एमडीए) पाउडर मिला, जिसे पुलिस ने कार सहित जब्त कर लिया। साथ ही कार में सवार मोहसीन खान, फिरोज खान व जरीना बेगम के कब्जे से 68 ग्राम मेथीलीन ड्राईऑक्सी एम्फीटामाईन (एमडीए) पाउडर जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया था। उक्त प्रकरण मे मेथीलीन ड्राईऑक्सी एमडीए पाउडर सप्लायर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित ठेके के पास, लोहाखान पीलीखान, अजमेर निवासी कौशर खान उर्फ कौशर बी पत्नी खुर्शिद खान उर्फ खुर्शिद अहमद उर्फ कुडी बाबा (45) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी संजय गुर्जर, दीवान नारायण लाल, कांस्टेबल

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट मामले में महिला को गिरफ्तार किया।

शांतिलाल, महिला कांस्टेबल राधा ने अंजाम दिया।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने धारदार हथियार के साथ एक आरोपी व अवैध शराब के 56 पव्वों के साथ दूसरी आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रामजीलाल ने बताया कि अपराधों पर लगाम कसने के लिए पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान की आदेशों पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सिंह भाटी व डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा के निकट सुपरविजन में निवाई थाना पुलिस ने मंगलवार को गांव रंभा रोड पर नाले के पास अवैध देशी शराब के 56 पव्वों के साथ रामकिशनपुरा निवासी पप्पूलाल पुत्र रामजीवन मीणा को अपने कब्जे में रखकर शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार एक अन्य पुलिस टीम ने खणदेवत रोड पर दादूदयाल आश्रम के समीप से धारदार हथियार छुर्रा लेकर घूमते हुए पहाड़ी चुंगी नाका के समीप निवाई निवासी राहुल पुत्र कानाराम खंगार को गिरफ्तार किया है।

हादसे में कार चालक की मौत

मालपुरा, (निसं)। जयपुर से केकड़ी सड़क मार्ग पर कोटडी गांव के पास सोमवार की देर रात्रि को हुये दर्दनाक सड़क हादसे मे अज्ञात वाहन की टक्कर से कार चालक की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात्रि को जूनियां गांव निवासी भरत सिंह पुत्र देवी सिंह पारिवारिक कार्य से निवृत हो भीलवाड़ा से अपने रिश्तेदारों के साथ कोटड़ी गया हुआ था। जहां से उन्हें छोड़ वापस लोटते समय कोटड़ी के पास ही अज्ञात वाहन ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तो कार चालक भरत सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सड़क हादसे की मिली सूचना पर मोर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को पुलिस सुरक्षा में ले टोडारायसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को परिजनों की मौजूदगी मे पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा गया। थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू की।

एचएच नहर से महियांवाली गांव की सड़क की पुलिया तोड़ आवागमन बंद किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। महियांवाली गांव से एचएच नहर को आने वाली सड़क को फिर से बंद कर दिया है। इस बार अज्ञात लोगों ने एचएच नहर की तरफ से एक खाळे की पुलिया की छत को ही उखाड़कर अलग कर दिया है। इससे यह रास्ता फिर से आवागमन के लिए बंद हो गया है।

यह पुलिया करीब एक सप्ताह के दौरान खोदे जाने की सूचना है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से इसको तोड़ने वालों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया है। यहां तक कि चूनावढ़ पुलिस ने भी न तो रास्ता वापस शुरू करवाया है न ही पुलिया तोड़ने वालों के खिलाफ मुकदमा तक दर्ज किया है। पुलिस को इस पुल को तोड़ देने की सूचना तक नहीं है। सरपंच ने मामला संज्ञान में होने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया।

सचिव ने जानकारी नहीं होना बताया और संबंधित विभाग या पुलिस

- यह पुलिया करीब एक सप्ताह के दौरान खोदे जाने की सूचना है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से इसको तोड़ने वालों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया है, पुलिस ने भी रास्ता नहीं खुलवाया

को सूचना देना स्वयं की ड्यूटी नहीं होना बताया है। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च को भी इसी तरह से इस रास्ते को मलबा डालकर बंद कर दिया था। 20 मार्च को मामला कलेक्टर के संज्ञान में आने के बाद चूनावढ़ पुलिस को ही इस मलबे को हटवाकर रास्ते पर आवागमन बहाल करवाना पड़ा था।

इधर महियांवाली गांव के इस सड़क के किनारे के किसानों का कहना है कि लोग टोल बचाने को एचएच नहर की पुलिया से होकर महियांवाली गांव के इस रास्ते होकर वापस नेशनल हाइवे पर चले जाते हैं। इससे इस सड़क पर वाहनों का दबाव ज्यादा है। किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली, जमीन जोतने के उपकरण आदि लेकर आते हैं तो भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क संकरी है और आमने सामने दो चौपहिया वाहन बड़ी मुश्किल से ही निकल पाते हैं।

गिरधर, सीईओ, जिला परिषद का कहना है कि सूचना देना ग्राम विकास अधिकारी का पहला नैतिक दायित्व व ड्यूटी का हिस्सा है। सड़क की पुलिया कब तोड़ी गई। सचिव ने सूचना देकर मुकदमा क्यों नहीं करवाया इसकी जांच करवाई जाएगी और दोषी कर्मचारी व सड़क तोड़ने वाले अज्ञात लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

भीम पहलवान ने कामड़े की कुश्ती जीती

नारायणपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत गढ़ी (मामोड़) में मंगलवार को तिराए वाले हनुमानजी महाराज का वार्षिक मेला आयोजित हुआ। सुबह से ही मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मेले का मुख्य आकर्षण दोपहर में आयोजित कुश्ती दंगल रहा। इसमें सबसे चर्चित मुकाबला कामड़े की कुश्ती का रहा, जो अलवर के भीम पहलवान और हरियाणा के महिपाल पहलवान के बीच लड़ा गया। जोरदार संघर्ष के बाद भीम पहलवान ने मुकाबला जीत लिया। मेला कमेटी की ओर से उन्हें 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मेले के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन की भूमिका सराहनीय रही। सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रही, जिससे संपूर्ण कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मेला आयोजन की सफलता में स्थानीय ग्रामीणों और मेला कमेटी के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

वीआईपी ट्रेड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एडवोकेट आस्था बैरवा व नवीन बैरवा के तर्कों से सहमत होते हुए वीआईपी ट्रेड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

पीड़ित विजय राव ने एडवोकेट आस्था बैरवा के जरिये न्यायिक मजिस्ट्रेट जितेन्द्र रैया के समक्ष परिवाद प्रस्तुत न्याय की गुहार लगाई। इसका कहना है कि आरोपी अब्दुल समद, इसकी पत्नी कनीजा बेगम, बेटी निलोफर, सहजान पठान, रतनचंद व लोकेश चौधरी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाये। जुलाई 2024 में विजय राव व रतनचंद की मुलाकात आरोपी अब्दुल समद, इसकी पत्नी कनीजा बेगम व बेटी निलोफर से हुई। अब्दुल समद ने कहा कि वीआईपी ट्रेड रजिस्टर्ड वैध कम्पनी है। ट्रेडिंग का लाइसेंस है। इसको पार्टनर लोकेश चौधरी संभालता है। कनीजा बेगम व निलोफर बिजनेस कनसल्टेड चेयरमैन हैं। आप सहित मित्रगण कम्पनी में रूपये इन्वेस्ट करे। फोरएक्स में ट्रेडिंग कर उसका मुनाफा समय पर दे दिया जाएगा। झांसे में आकर पीड़ित विजय राव ने 11 लाख 46 हजार निवेश कर दिया। साथ ही मित्र मोहित ने उधार लेकर 1 लाख 40 हजार, 5 लाख 91 हजार व 5 लाख 25 हजार रूपये, म्यूचल फंड के 1 लाख 50 हजार रुपए इन्वेस्ट कर कर दिये। इसके अलावा अन्य मित्र रवि प्रजापत ने 2 लाख 40 हजार रूपये व 80 हजार रूपये, 3 लाख, 1 लाख 10 हजार रुपए, 1 लाख 50 हजार रुपए इन्वेस्ट कर दिये। आरोपियों ने सेमिनार में करोड़पति बनने जैसे प्रलोभन देकर विश्वास में ले लिया, जब परिवादी ने अपने रूपये व मुनाफा मांगा तो अभियुक्त ने रूपये देने से साफ इंकार कर दिया। साथ ही कनिजा बैगम व निलोफर ने झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दी। अभियुक्त ने योजनाबद्ध तरीके से परिवादी व उसके परिचितों को विश्वास में लेकर वीआईपी ट्रेड कम्पनी में फोरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर धोखाधड़ी कर पैसे ऐंठ लिये। कई बार तकाजा किये जाने के बावजूद रूपये नहीं मिलने पर अदालत की शरण में जाकर न्याय की फरियाद की। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एडवोकेटआस्था बैरवा के तर्कों से सहमत होते हुए अभियुक्तों के विरूद्ध मदनगंज थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिया।

शॉर्ट सर्किट से गोदाम में आग लगी

आग लगने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में मंगलवार को शॉर्ट सर्किट के चलते एक अंडा गोदाम में आग लग गई। आग से उठता धुआं और लपटों से गोदाम के आस-पास रहने वालों लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

आसींद थाना प्रभारी हंसपाल ने बताया आसींद में स्थित अंडों के एक गोदाम में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। आग की

- आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता देख लोग दहशत में आए

लपटें और काले धुएं का गुब्बार गोदाम से उठता देख लोग दहशत में आ गए। लोगों ने इसकी सूचना आसींद नगर पालिका स्थित दमकल विभाग व पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी व दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। उससे पूर्व पानी के टैंकरों के जरिए आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इससे पहले ही गोदाम में रखे अंडे, सामान व टीनशेड आदि जल गया। थाना प्रभारी का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगने की बात सामने आई है।

युवक पर चाकूबाजी मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आरोपी की निशानदेही पर हमले में काम लिया चाकू बरामद किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में रविवार रात पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर हुए चाकूबाजी मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी दानिश पठान को गिरफ्तार कर लिया।

आसींद पुलिस के अनुसार, आसींद निवासी राकेश (28) पुत्र बंशीलाल ढोली ने पांच दिन के लिए शकूर कॉलोनी, आसींद निवासी दानिश उर्फ पाना पुत्र हनीफ पठान को 50 हजार रुपये उधार दिये थे। समय सीमा खत्म होने पर उसने दानिश से अपने रुपयों का तकाजा किया। इसे लेकर रविवार रात दानिश ने राकेश को फोन कर आसींद स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल के पास बुलाया। राकेश ने बताया कि वह, अपने छोटे भाई को साथ लेकर दानिश के बताये स्थान पर गया। उसके वहां जाते ही दानिश ने गाली-गलौच शुरु कर

- रविवार रात पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला किया था, वारदात को लेकर लोगों ने आक्रोश जताया था

दी और हाथापाई करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल राकेश को मुख्यालय स्थित एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं दूसरी और घटना के विरोध में हिंदू संगठनों ने सोमवार को आसींद के बाजार बंद करवाकर आक्रोश व्यक्त किया। पुलिस ने आरोपित दानिश को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर हमले में काम लिया गया चाकू बरामद कर लिया।

अवैध रूप से गांजा ले जा रहा युवक गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा बरामद किया है, जो सप्लाई करने के लिए जा रहा था।

थानाधिकारी भजनाराम ने बताया

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा बरामद किया

कि पुलिस की ओर से सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों पर कार्रवाई को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ईलाखर में टीबा की ओर जा रहा है, जिसके पास अवैध रूप से लाया गांजा है। सूचना पर पुलिस की ओर से विशेष टीम का गठन कर टीबा सड़क पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान गांजा लेकर जा रहा युवक पुलिस को देखकर नदी की ओर भाग गया। पुलिस ने पिछा

मेहाड़ा पुलिस ने गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

कर युवक को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके पास अवैध रूप से लाया गया गांजा पाया गया। जब पुलिस ने युवक से गांजे के बारे में पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मेंहाड़ा जाटुवास निवासी संदीप कुमार पुत्र शीशराम जाट को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 883 ग्राम गांजा भी बरामद कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस की ओर गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी भजनाराम, एएसआई पतराम, कांस्टेबल रोहिताश, कर्मपाल, पवन कुमार आदि शामिल थे।

केसीसी प्रोजेक्ट के सामने पार्क में अचानक आग लगी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी नगर के केसीसी प्रोजेक्ट के सामने जीटी पार्क में मंगलवार को अचानक आग लग गई। इस दौरान खेतड़ी व केसीसी की दमकलों ने दो घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया।

सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि भगवती प्लांट के पास बने केसीसी के जीटी पार्क में अचानक आग लग गई। इस दौरान आग की सूचना पर केसीसी की दमकल को लेकर मौके पर पहुंचे। इस दौरान देखा तो सूखी झाड़ियों में आग लगी हुई थी। इस दौरान हवा के साथ आग तेजी से फैलने लगी तो कर्मचारियों ने झाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती जा रही थी।

केसीसी प्रोजेक्ट से बुलाई गई दमकल ने भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन काफी दूर में आग लगने व झाड़ियों के कारण दमकल मौके पर नहीं पहुंच पा रही थी, जिसके बाद आग तेजी से फैलने लगी। इसके बाद खेतड़ी नगर पालिका की दमकल

खेतड़ी नगर में जीटी पार्क में आग लगने से पेड़-पौधे जल गए।

को मौके पर बुलाया गया। इस दौरान करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोनों दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका।

सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि आग लगने से पेड़-पौधे जल गए, लेकिन गनीमत रही कि आग हवा से पास ही बने 440 केवी पावर हाउस की तरफ ना जा सकी, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। पार्क क्षेत्र में अचानक लगी आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस मौके पर एस शिवदर्शी, अब्दुल तस्लीम आलम, अश्वनी गुरवरिया, मुन्नालाल जेदिया, मुकेश, घनश्याम दास, संगम सोनी, दुलीचंद सैनी, अजय सैनी, शशि, राजपाल, प्रदीप, अजय मीणा, रामस्वरूप, रणधीर पूनिया, अमिलाल, मुकेश कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पंचायत समिति की बैठक में अधिकारियों के नहीं आने पर जनप्रतिनिधियों में आक्रोश

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पंचायत समिति के सभागार भवन में मंगलवार को साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया। प्रधान मनीषा गुर्जर की अध्यक्षता में हुई बैठक में आमजन की मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा करते हुए जल्द समाधान करने की मांग की गई। साधारण सभा की बैठक में अधिकारियों के नहीं आने से जनप्रतिनिधियों ने मुद्दा उठाते हुए कारवाई की मांग की।

पंचायत समिति सदस्य नरेश बड़ाऊ ने कहा कि साधारण सभा की बैठक में अक्सर विभागों के सीनियर अधिकारी गायब रहते हैं। विभागीय अधिकारियों के गायब रहने से आमजन की समस्याओं पर जल्द समाधान नहीं हो पाता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पेयजल की काफी समस्या बनी हुई है। पेयजल की समस्या को लेकर जब जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया जाता है तो जलदाय विभाग के अधिकारी समाधान करना तो दूर, अनदेखी कर देते हैं, जिसके चलते

प्रधान मनीषा गुर्जर की अध्यक्षता में खेतड़ी पंचायत समिति की बैठक आयोजित हुई।

- खेतड़ी पंचायत समिति की बैठक में आमजन की मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई
- विभागीय अधिकारियों के गायब रहने से आमजन की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है

आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पंचायत समिति सदस्य नीरज मान ने गौरीर में लगे सोलर प्लांट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि काफी समय से बंद पड़े सोलर प्लांट को शुरू करवाया जाए अन्यथा प्लांट के जमीन दान में देने वाले दानदाता को उसकी जमीन वापस दी जाए। इसके अलावा साधारण सभा की बैठक में पेयजल, बिजली, क्षतिग्रस्त सड़कों व अन्य मुद्दे उठाए गए, जिस पर उपखंड स्तर के अधिकारियों को जल्द ही समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

बैठक में तहसीलदार सुनील कुमार, भाजपा जिला महामंत्री पूनम धर्मपाल गुर्जर, सीबीईओ जितेंद्र सुरोलिया, बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव, बीडीओ महादेव सिंह, नंगली सरपंच संदीप सिंह, सरपंच प्रकाश अवाना, जितेंद्र कुमार, श्रवणदत्त नारनौलिया, बद्री प्रसाद सहित अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी से मुंबई इंडियंस को सपोर्ट मिलेगा, जिसकी उन्हें जरूरत थी।
- शेन वॉटसन

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, बुमराह की वापसी से मुंबई इंडियंस को सपोर्ट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हेनरिक क्लासेन

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 2025-26 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी कर दी है। दक्षिण अफ्रीका ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में कुल 18 खिलाड़ियों को शामिल किया है। हैरानी की बात ये है कि इस लिस्ट में विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन को शामिल नहीं किया गया है।दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिक क्लासेन को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर करने की वजह नहीं बताई है। क्लासेन के अलावा कई और ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर किया गया है। इसमें कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, एंडिले फेहलुकवायो और तबरेज शम्सी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भुवनेश्वर कुमार अब आईपीएल इतिहास के सबसे सफल पेसर बन गए हैं। उन्होंने ड्वेन ब्रावो को पछाड़ दिया है, जिन्होंने इस लीग में 183 विकेट लिए।

पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 18 रनों से हराया

मुल्लांपुर, 8 अप्रैल। प्रियांश आर्य (103) की शतकीय, शशांक सिंह (नाबाद 52) और मार्कं यानसन (नाबाद 34) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स ने मंगलवार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 22 मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 18 रनों से हरा दिया। पंजाब की चार मैचों में यह तीसरी जीत है। वहीं चेन्नई सुपर पांच मैचों में चौथी हार के साथ नौवें पायदान पर पहुंच गई है।

220 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रचिन रविंद्र और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने सधी हुई शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। सातवें ओवर में ग्लेन मैक्सवेल ने रचिन रविंद्र को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। रचिन रविंद्र ने 23 गेंदों में 36 रन बनाये। अगले ही ओवर में लॉकी फर्ग्युसन ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (एक) को आउट कर चेन्नई को दूसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शिवम दुबे ने डेवन कॉन्वे के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 89 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में लॉकी फर्ग्युसन ने शिवम दुबे को आउटकर पंजाब को तीसरी सफलता दिलाई। शिवम दुबे ने 27 गेंदों में (42) रन बनाये।18वें ओवर की पांचवी गेंद पर डेवन कॉन्वे के रिटायर्ड आउट होने पर चेन्नई के मैच जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।

डेवन कॉन्वे ने 49 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (69) रन बनाये। 20वें ओवर की पहली गेंद पर यश ठाकुर ने एमएस धोनी 12 गेंदों में (27) को आउटकर पंजाब को बड़ी सफलता दिलाई। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 201 रन ही बना सकी और 18 रनों से मुकाबला हार गई। रवींद्र जडेजा (नौ) और विजय शंकर (दो) रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट लिये। ग्लेन मैक्सवेल और यश ठाकुर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में प्रभसिमरन सिंह (शून्य) के रूप में गवां दिया। उन्हें मुकेश चौधरी ने बोल्ड आउट किया।

प्रियांश आर्य ने जड़ा आईपीएल 2025 का सबसे तेज शतक

मुल्लांपुर, 8 अप्रैल। पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्य मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ महज 39 गेंदों शतक बनाकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सबसे तेज शतक बनाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए। आज यहां 22 वर्षीय दाएं हाथ के इस बल्लेबाज प्रियांश चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इस पारी के साथ, प्रियांश आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले लोगों की सूची में शामिल हो गए। वह ट्रैविस हेड (2024) के साथ बराबरी पर हैं। वह क्रिस गेल (30 गेंद, 2013), यूसुफ पठान (37 गेंद, 2010) और डेविड मिलर (38 गेंद, 2013) से पीछे हैं। प्रियांश ने संकट के समय तूफानी बल्लेबाजी की पथिराना और रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों पर करारे प्रहार किये । उनकी यह पारी दिल्ली प्रीमियर लीग में उनके कारनामों की याद दिलाती है, जहां उन्होंने एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। प्रियांश ने अपनी 103 रनों की पारी में नौ छक्के और सात चौके लगाये। प्रियांश इस शतक के साथ शॉन मार्श (2008), मनीष पांडे (2009), पॉल वल्थाटी (2011), देवदत्त पडिक्कल (2021), रजत पाटीदार (2022), यशस्वी जायसवाल (2022) और प्रभसिमरन सिंह (2023) सहित अनकैप्ड खिलाड़ियों द्वारा आईपीएल शतकों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गये है।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को चार रन से हराया

कोलकाता, 8 अप्रैल। निकोलस पूरन (नाबाद 87), मिचेल मार्श (81) की अर्धशतकीय और एडन मारक्रम (47) की तूफानी पारियों के बाद गेंदबाजों शानदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 21वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार रन से हरा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की यह इस सत्र की तीसरी जीत हैं।

239 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 37 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक (15) का विकेट गवां दिया। क्विंटन डी कॉक को तीसरे ओवर में आकाश दीप ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सुनील नारायण के साथ पारी को संभाला। सातवें ओवर में दिग्वेश राठी ने सुनील नारायण (30) को एडन मारक्रम के हाथों कैच आउटकरा कोलकाता को दूसरा झटका दिया। 13वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने अजिंक्य रहाणे को निकोलस पूरन के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को तीसरी सफलता दिलाई।

अजिंक्य रहाणे ने 35 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। कोलकाता का चौथा विकेट रमनदीप सिंह (एक) के रूप में गिरा। उन्हें रवि बिश्नोई ने आउट किया। 15वें ओवर में आवेश खान ने अंगकृष रघुवंशी (पांच) को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट करा दिया। 16वें ओवर में आकाश दीप ने वेंकटेश अय्यर को मारक्रम के हाथों कैच आउटकरा कर पवेलियन भेज दिया।

वेंकटेश अय्यर ने 29 गेंदों में एक छक्के और छह चौकों की मदद से (45) रन बनाये। 17वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने आंद्रे रसल (सात) को आउट किया। रिंकू सिंह ने अंतिम ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी और अपनी टीम को जीत की दहलीज तक तो ले गये लेकिन जीत नहीं दिला पाये। रिंकू सिंह ने 15 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 38) रनों की पारी खेली। हर्षित राणा (10) रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी और चार रन से मुकाबला हार गई।

आईपीएल के आयोजन को लेकर पवन की अध्यक्षता में बैठक आज

जयपुर, 8 अप्रैल। आईपीएल 2025 का आयोजन 13 अप्रैल 2025 से 16 मई 2025 के मध्य सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में होगा। आईपीएल के आयोजन को सफल बनाये जाने एवं विभिन्न व्यवस्थाएं बाबत् चर्चा एवं समन्वय हेतु राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की ओर से एक मीटिंग का आयोजन बुधवार 9 अप्रैल को दोपहर 12.30 बजे शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, डा. नीरज के. पवन की अध्यक्षता में अर्जुन मीटिंग हॉल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में आहुत की गई है। उक्त मीटिंग के लिये जिला कलक्टर, जयपुर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध / कानून एवं व्यवस्था / प्रशासनिक आयुक्तालय, जयपुर, आयुक्त, नगर निगम, जयपुर, पुलिस उपायुक्त, यातायात /मुख्यालय/ पूर्व, जयपुर, पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (सुरक्षा) राजस्थान, जयपुर, अधीक्षण अभियन्ता, पीडब्ल्यूडी, जयपुर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, नगर निगम, जयपुर, अधीक्षण अभियन्ता,, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर, स्टेफन शेख, वेन्यू मैनेजर, बीसीसीआई, एसएमएस स्टेडियम, जयपुर, राजीव खन्ना-उपाध्यक्ष, राजस्थान रॉयल्स, जयपुर मय विभिन्न कार्यों के संयोजक, सहायक पुलिस आयुक्त, अशोक नगर, जयपुर दक्षिण, थानाधिकारी-ज्योतिनगर, जयपुर दक्षिण को उपस्थित होने के लिये लिखा गया है।

प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 के खिलाड़ियों का ऑक्शन सम्पन्न

जयपुर, 8 अप्रैल। प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 के खिलाड़ियों का ऑक्शन जयपुर की निर्वाणा पैलेस होटल में संपन्न हुए। लीग पैट्रन डॉ संदीप निझावन ने बताया कि इस सीज़न की 16 सीनियर व 5 जूनियर टीमों के लिए खिलाड़ियों का ऑक्शन हुए। लीग चेयरमैन डॉ जयंत सेन ने बताया कि इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रियंका हॉस्पिटल के डॉ पीयूष जोशी ने टीम ऑनरस को सम्मानित किया । लीग़ के आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि सीनियर टीम की आइकन कैटेगरी में डॉ जयंत सेन को महात्मा गाँधी हॉस्पिटल ने 40 लाख में, प्रीमियम केटेगरी में उदयपुर के डॉ विकास शर्मा को 31 लाख में आर जे 13 किंग्स ने, प्लेटिनम कैटेगरी में झुनझुनु के डॉ राकेश जांगिड को 43 लाख में टीम के सी मैमोरियल ने, स्टार कैटेगिरी में दीपेन्द्र शेखावत को 29 लाख में के डी हॉट शॉट ने ख़रीदा । लीग को चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि जूनियर वर्ग में आइकन कैटेगरी में उदयपुर के अपूर्व जैन को 45 लाख में 4 डी डायग्नोस्टिक ने, प्रीमियम कैटेगरी में पुनीत रायसिंहानी को 39 लाख में जयपुर गैस्ट्रो ने, प्लेटिनम केटेगरी में अर्जव जैन को 11 लाख में एक्सेलकेयर ने व स्टार कैटेगरी में नीरज को 39 लाख में माया आई हॉस्पिटल ने ख़रीदा।

एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम में तीन नये खिलाड़ी

मुम्बई, 8 अप्रैल। श्रीलंका में होने वाले एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम में काशवी गौतम, एन श्री चरनी और शुचि उपाध्याय को पहली बार शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं ने जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में बाहर बैठने के बाद हरमनप्रीत कौर को बतौर कप्तान के रूप में टीम में जगह दी है। इसके अलावा स्नेह राणा, यास्तिका भाटिया, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर को भी टीम में शामिल किया गया हैं। चयनकर्ताओं ने चोटिल रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और तेज गेंदबाज तीतास साधु के नाम पर विचार नहीं किया गया।

एमजेजे की पारी में जयंत तांबी का शतक डीएसजे के लिए हिमांशु राणा का पंजा

जयपुर, 8 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में आज खेले गए मैचों में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में एम जे जे ग्रुप ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए त्रिलोक सैनी के 32 रन, भावित कुमावत के 75 रन, जयंत ताम्बी के 113 रन, सचिन जाट के 45 रन, अभय शर्मा के 53 व कुशाग्र ओझा के 20 रनों से 81.3 ओवर में 369 रन बनाए। डी एस जे टीम के लिए हिमांशु राणा ने 66 पर 5, राजवीर सिंह ने 80 पर 4 व अभिजय भंडारी ने 71 पर एक विकेट लिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक डी एस जे टीम ने 5 ओवर में बिना विकेट खोए 14 रन बना लिए थे।

दूसरे मैच में जयपुरिया ग्राउंड पर एस के आई टी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अविनाश शर्मा के 34 रन, वरदान शर्मा के 18 रन, सिद्धांत शर्मा के 41 रन, सिद्धांत जायसवाल के 70 रन, केशव डीडवानिया के 22 रन व मनीष गोस्वामी के 37 रन से 52.1 ओवर में 236 रन बनाकर आउट हुई। आर एच सी एल एस एस टीम के लिए मिहित अग्रवाल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 80 रन पर 7 विकेट लिए, हिमान्य भारद्वाज ने 29 पर 2 व आयुष आमेरिया ने 62 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में आर एच सी एल एस एस टीम ने रोहन राजभर के 14 रन, प्रशांत यादव, नाबाद 41 रन, मोहम्मद सैफ के 15 रन व हिमान्य भारद्वाज के 29 रनों से पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 34 ओवर में 7 विकेट पर 132 रन बनाए। एस के आई टी इलेवन के लिए निखिल कोहली ने 20 पर 3, अनुज मीणा ने 27 पर 1, सौरभ यादव ने 38 पर 2 व मोहम्मद कैफ ने 18 पर एक विकेट लिया।

रजत पर लगा धीमे ओवर रेट का जुर्माना

मुम्बई, 8 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख रूपये जुर्माना लगा हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार पर सोमवार रात मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस पर जीत के दौरान धीमे ओवर रेट के लिए यह जुर्माना लगाया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में आरसीबी पर पहली बार धीमे ओवर रेट अपराध के लिए जुर्माना लगा हैं। इससे पहले हार्दिक पंड्या, रियान पराग और ऋषभ पंत पर भी धीमे ओवर रेट के लिये जुर्माना लगा चुका हैं।

जहीरुल हसन क्लब ने ज्योतिबा फूले को 4 रन और आरसीसी ने सुराणा क्लीनिक को 9 विकेट से हराया

जयपुर, 8 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए पूल ए के मैच में जहीरुल हसन क्लब ने ज्योति बा फूले क्लब को 4 रन से हराया तथा पूल बी के मैच में आर सी सी क्लब ने सुराणा क्लीनिक को 9 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर ज़हीरुल हसन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सियाराम चौधरी के 101 रन, आलोक गुर्जर के 50 रन, तुषार चेलानी के 16 रन, चंदन चौधरी के 66 रनों से 50 ओवर मे 9 विकेट पर 272 रन बनाए। ज्योति बा फूले क्लब के लिए आरव महर्षि ने 66 पर 5, नयन माली, भव्य व चर्चित निर्वाण ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में ज्योति बा फूले क्लब की टीम ने उत्कृष सैनी के 119 रन, शिवांजल अग्रवाल के 22 रन, सात्विक जैन के 44 रन, हर्षवर्धन मित्तल के 49 रनों से 48.1 ओवर में 268 रन बनाकर आउट हो गई। लाला राम, गौरव पुनिया व चंदन चौधरी ने 2 - 2 विकेट, रुद्राक्ष व युवराज सिंह ने 1-1 विकेट लिया। अरावली ग्राउंड पर खेले गए पूल बी के मैच में सुराणा क्लीनिक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मोहन सैनी के 30 रन व चेतन मीणा के 14 रनों से 18.1 ओवर में मात्र 62 रन बना कर आउट हो गई। आर सी सी के लिए हुसैन खान ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 पर 5 विकेट तथा दक्ष तंवर ने 11 पर 3, मौलिक झरवाल व यश शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में आर सी सी ने यश शर्मा के 33 रन व अरमान खान के 23 रनों से 6.4 ओवर में 1 विकेट पर 64 रन बनाकर मैच जीत लिया। सुराणा क्लीनिक के लिए विनय शर्मा ने 1 विकेट लिया।

कोटा क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव पर रोक

जयपुर, 8 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने एडहॉक कमेटी की ओर से कोटा जिला क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के होने वाले चुनाव पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश कोटा जिला क्रिकेट एसोसिएशन और अमीन पठान की ओर से दायर याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अपीलीय अधिकारी याचिका में दिए स्टे आदेश से प्रभावित हुए बिना लंबित अपील का निस्तारण करेंगे। याचिका में अधिवक्ता एसएस होरा ने अदालत को बताया कि उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां ने गत 24 जनवरी को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता एसोसिएशन के प्रबंधन के लिए एड-हॉक कमेटी का गठन कर दिया। इससे पूर्व उप रजिस्ट्रार ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन को सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया। वहीं इस आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता की ओर से अतिरिक्त मुख्य खेल सचिव के समक्ष अपील पेश की गई है। याचिका में कहा गया कि एक ओर अपीलीय प्राधिकारी लंबित अपील और स्टे प्रार्थना पत्र पर सुनवाई नहीं कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एड-हॉक कमेटी ने चुनाव घोषित कर दिए हैं। याचिका में कहा गया कि एड-हॉक कमेटी ने चुनाव के लिए एसोसिएट सदस्यों की नई सूची से चुनाव कराना तय किया है, जबकि आरटीआई के तहत पूर्व में याचिकाकर्ता को दूसरी सूची दी गई थी। ऐसे में एड-हॉक कमेटी की ओर से घोषित चुनाव पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने चुनाव पर रोक लगाते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब किया है।

राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता जोधपुर में

जयपुर, 8 अप्रैल। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ द्वारा राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता दिनांक 10 से 13 अप्रैल 2025 को जोधपुर में चैनपुरा इंडोर स्टेडियम जोधपुर में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. शक्ति सिंह रावलोत ने बताया कि इस अवसर पर आज दिनांक को भूतपूर्व महासचिव भारतीय जिम्नास्टिक्स महासंघ एवं सीईओ राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के नेतृत्व में आयोजन स्थल व प्रतिभागियों के आवास आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

परमेश्वर प्रजापत सचिव राज्य संघ के अनुसार अभी तक उदयपुर, अजमेर, जयपुर, नागौर, जैसलमेर, अलवर, बीकानेर, भीलवाडा, जोधपुर, राजसमन्द, दौसा, पाली आदि टीमों अपनी प्रविष्टि प्रदान की है तथा अन्य जिलों से प्रविष्टि अभी प्राप्त होनी है, इस प्रकार कुल 17 टीमों के 250 महिला व पुरुष जिमनास्ट सहित निर्णायक व अधिकारीगण भाग लेंगे।

रॉयल फुटबॉल क्लब ने राजस्थान राइजिंग को रौंदा

जयपुर, 8 अप्रैल। ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड गाड़ोता, रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड और चौगान स्टेडियम जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के मुख्य अतिथि भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन अवॉर्डी मगन सिंह राजवी रहे उन्होंने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आज 4 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया। सभी 110 मैचों को होमअवे के सिद्धांत से खेले जाएंगे। अभी तक 9 मैच खेले जा चुके है।

प्रथम मैच में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और जिंक फुटबाल अकादमी के बीच खेला गया मैच गोल रहित रहा दोनों टीमों ने ही आक्रमण खेल का प्रदर्शन किया।

आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में भी दो मैच खेले गए

दूसरे मैच राजस्थान राइजिंग फुटबॉल क्लब और रॉयल फुटबाल क्लब जयपुर के बीच खेला गया रॉयल क्लब ने मैच 4-0 से जीता।

तीसरा मैच सनराइज फुटबाल क्लब और सिटी वाल्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया सिटी वाल्स क्लब ने मैच 2-0 से जीता।

आज चौगान स्टेडियम जयपुर के मैदान खेले गए मैच

चौथे मैच में जयपुर एलिट फुटबाल क्लब ने ए एस ल फुटबाल क्लब को 2-0 से पराजीत किया। आगामी फुटबाल लीग के मैच 10 अप्रैल को खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी अकादमी की नवा रायपुर में होगी स्थापना

रायपुर, 8 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक तीरंदाजी अकादमी की स्थापना होने जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण ने लगभग 10.03 एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है। यह भूमि सेक्टर-33 के ग्राम उपरवारा क्षेत्र में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 40,614.216 वर्गमीटर है। मिली जानकारी के अनुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 90 वर्षों की लीज पर भूमि प्रदान की जाएगी। तीरंदाजी अकादमी के निर्माण में एनटीपीसी लिमिटेड अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यहां आउटडोर और वातानुकूलित इनडोर तीरंदाजी रेंज, हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग सेंटर, छात्रावास जैसे निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। अकादमी के बनने से नवा रायपुर न केवल खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाएगा।

ई-एथलीड ने जयपुर में डिजिटल क्रिकेट कोचिंग प्रोग्राम 'महागुरु का मास्टर क्लास' शुरू किया

जयपुर, 8 अप्रैल। श्राची स्पोर्ट्स की सहायक कंपनी ई-एथलीड ने 'महागुरु का मास्टरक्लास' लॉन्च किया है, जो एक अभिनव डिजिटल क्रिकेट कोचिंग सीरीज है, जिसे महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों और कोचों को उच्च-गुणवत्ता का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पूर्व विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेटर और कोच संदीप पाटिल की देखरेख में और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विकसित, इस विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली ट्यूटोरियल सीरीज को पिछले महीने कोलकाता में इसके शुरुआती लॉन्च के बाद आज शाम जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान क्रिकेट अकादमी (आरसीए) में आधिकारिक तौर पर पेश किया गया।

इस पहल का उद्देश्य एनसीए-संरेखित कोचिंग सामग्री को महत्वाकांक्षी क्रिकेट कोचों के लिए अधिक सुलभ बनाना है, साथ ही युवा क्रिकेटरों को उच्च-स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। लॉन्च कार्यक्रम में संदीप पाटिल और दिनेश नानावटी सहित प्रतिष्ठित पूर्व खिलाड़ी और कोच शामिल हुए। इस व्यापक श्रृंखला में बल्लेबाजी को समर्पित दस एपिसोड शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कोच दिनेश नानावती के मार्गदर्शन में चार एपिसोड में विकेटकीपिंग को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर चार-एपिसोड का खंड पूर्व क्रिकेटर और कोच गौतम शोम द्वारा संचालित किया जाता है।

समग्र प्रशिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए, कार्यक्रम में शारीरिक फिटनेस पर केंद्रित दो एपिसोड भी शामिल हैं, जिन्हें फिटनेस वैज्ञानिक राहुल पटवर्धन द्वारा संचालित किया जाता है। कार्यक्रम में बोलते हुए, संदीप पाटिल ने भारत में संरचित क्रिकेट कोचिंग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "भारत में क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं है, फिर भी कोचिंग काफ़ी हद तक अनियमित है। सिर्फ़ कुछ प्रतिशत कोच ही उचित प्रमाणपत्र रखते हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने राजस्थान की संगीत प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए हुनर मंच लॉन्च किया

जयपुर, 8 अप्रैल। स्थानीय कलाकारों को रॉयल्स के आईपीएल 2025 के घरेलू मैचों के दौरान सवाई मानसिंह स्टेडियम में लाइव प्रदर्शन करने का जीवन में एक बार मौका मिलेगा। राजस्थान रॉयल्स ने हुनर मंच शुरू करने की घोषणा की है, जो राजस्थान के स्थानीय संगीत कलाकारों की खोज और उन्हें बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अनूठी प्रतिभा खोज है। यह पहल स्थानीय कलाकारों को आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के घरेलू मैचों के दौरान जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में लाइव प्रदर्शन करने का जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर प्रदान करती है।

रॉयल्स हुनर मंच पहल के बारे में बात करते हुए, राजस्थान रॉयल्स के सीईओ, जेक लश मैक्रम ने कहा, "राजस्थान हमेशा से ही अविश्वसनीय प्रतिभा और जोश की भूमि रहा है, और रॉयल्स हुनर मंच के साथ, हम उस ऊर्जा को एक ऐसे तरीके से जीवंत करने के लिए उत्साहित हैं जो वास्तव में स्पेशल है। यह पहल राजस्थान में बनी हर चीज का जश्न मनाती है संगीत, जुनून, प्रतिभा और रॉयल्स हुनर मंच यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि राजस्थान के जादू को सुना, महसूस किया और मनाया जाए।"

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रतिभा के पोषण में अपने गहरे विश्वास का जश्न मनाने के लिए जानी जाने वाली रॉयल्स इस अनूठे मंच के माध्यम से क्रिकेट को संगीत के साथ मिलाकर मेड इन राजस्थान भावना को जीवंत कर रही है। विशेष रूप से राजस्थान के निवासियों के लिए खुला, यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि घरेलू कलाकारों को सवाई मानसिंह स्टेडियम में हजारों उत्साही क्रिकेट फैंस के सामने एक अच्छी तरह से योग्य मंच प्राप्त हो। हुना आर आर मंच के साथ, राजस्थान रॉयल्स सपनों को वास्तविकता में बदल रहा है। स्थानीय प्रतिभाओं को चमकने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान कर रहा है, जबकि मैच के दिन के अनुभव में लाइव संगीत और मनोरंजन का एक रोमांचक नया आयाम जोड़ रहा है।

कैसे भाग लें : प्रतिभागी अपने प्रदर्शन का 1 से 3 मिनट लंबा वीडियो रिकॉर्ड करके और इसे व्हाट्सएप के माध्यम से 7400440983 पर भेजकर अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, 2025 है। शॉर्टलिस्ट किए गए कलाकारों को राजस्थान रॉयल्स के घरेलू मैचों में लाइव प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर मिलेगा, जहां उन्हें स्टेडियम में हजारों दर्शकों के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स लगातार फैंस के जुड़ाव को गहरा करने और राज्य के सार का जश्न मनाने की दिशा में काम कर रहा है, हुनर मंच संगीत और क्रिकेट को एक साथ लाने के लिए तैयार है जैसा पहले कभी नहीं था।

पुकोवस्की ने चोट के कारण क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबर्न, 8 अप्रैल। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर विल पुकोवस्की ने चोट के कारण क्रिकेट से सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया हैं। विल पुकोवस्की ने मंगलवार को मेलबर्न में एसईएन रेडियो पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, बहुत निराश हूं, यह बहुत कठिन साल रहा है। उन्होंने कहा कि काश मैं बेहतर परिस्थितियों में होता। उन्होंने कहा कि सरल संदेश यह है कि मैं फिर से किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेलूंगा। 27 वर्षीय पुकोवस्की ने 2021 में भारत के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। वह पिछले वर्ष शेफील्ड शील्ड में मैच के दौरान तस्मानिया के खिलाफ रिले मेरेडिथ की गेंद हेलमेट पर लगने के बाद वे चोटिल होकर रिटायर हर्ट हो गए थे। पिछले वर्ष ही चोट लगने के बाद एक स्वतंत्र मेडिकल पैनल ने पुकोवस्की को क्रिकेट से संन्यास लेने का सुझाव दिया था। उन्हें किशोरावस्था में फुटबॉल खेलते समय पहली बार सिर में चोट लगी थी। वह कंस्यूशन से पीड़ित थे।

मुख्यमंत्री ने पंजाब, हरियाणा और हनुमानगढ़ के विभिन्न हेड का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, कि आई.जी.एन.पी. के सुदृढ़ीकरण के लिए 34 सौ करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ के लखूवाली हैड, घग्गर डाइवर्ज़न पैनल की कार्यप्रणाली व घग्गर नदी के बहाव क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा बाढ़ सुरक्षा के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन पंजाब, हरियाणा तथा हनुमानगढ़ में विभिन्न हेड, नहरी तंत्र तथा बैराज का अवलोकन किया।

जयपुर, 8 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन हनुमानगढ़ में किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, माही बेसिन प्रबंधन, इंदिरा गांधी नहर परियोजना के सुदृढ़ीकरण सहित, विभिन्न निर्णय लिए हैं, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए तथा आमजन को पर्याप्त पेयजल मिल सके। उन्होंने कहा कि आईजीएनपी के सुदृढ़ीकरण के लिए 3 हजार 400 करोड़ रूपये के कार्य करवाए जाएंगे। साथ ही, भाखड़ा और गंग नहरों से जुड़ी खालों संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान पहले दिन पंजाब, हरियाणा तथा हनुमानगढ़ में विभिन्न हेड, नहरी तंत्र तथा बैराज का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री सबसे पहले पंजाब के तरनतारन जिले में स्थित हरिके बैराज गए, वहां उन्होंने हरिके हेड पर नहरी तंत्र की प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से नहरी तंत्र के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में चर्चा की। इसके बाद शर्मा ने मल्लेवाला हेड, बल्लेवाला हेड, बीकानेर केनाल, फिरोजपुर फीडर एवं इंदिरा गांधी फीडर का हवाई निरीक्षण किया। हवाई निरीक्षण के बाद, मुख्यमंत्री ने हरियाणा के सिरसा जिले के लोहगढ़ हेड में भाखड़ा सिंचाई परियोजना के लिए इंदिरा गांधी फीडर और सरहिन्द फीडर के मध्य बने लिंक का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ के लखूवाली हेड, घग्घर डायवर्जन चैनल तथा घग्घर नदी का निरीक्षण किया। उन्होंने घग्घर नदी की जल प्रवाह क्षमता तथा डायवर्जन चैनल की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों को राहत देने तथा बाढ़ से जन-धन की हानि को रोकने के लिए घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र में 325 करोड़ रूपये की लागत से बाढ़ सुरक्षा की दृष्टि से कार्य करवाने की घोषणा की थी।

कार से कुचलने की घटना से आक्रोशित लोगों ने परकोटा जाम किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 8 अप्रेल। राजधानी के नाहरगढ़ इलाके में तेज रफ्तार एस.यू.वी. कार से 3 लोगों को कुचलकर मारने वाले कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष उस्मान खान के खिलाफ आक्रोशित लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। अलसुबह लोगों ने नाहरगढ़ पुलिस थाने को घेर लिया और छोटी व बड़ी चौपड़ पर जाम लगाकर आवाजाही रोक दी। दिनभर चले उग्र प्रदर्शन के बाद शाम साढ़े 4 बजे मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रु. मुआवजा और संविदा पर नौकरी की बात पर सहमति बनी, जिसके बाद धरना खत्म हुआ। उधर कांग्रेस जयपुर शहर अध्यक्ष आर.आर.तिवाड़ी ने आरोपी उस्मान को जिला कार्यकारिणी से निष्काषित कर दिया है।

गौरतलब है कि सोमवार देर रात को नशे में धुत्त कांग्रेस नेता उस्मान खान ने तेज रफ्तार एस.यू.वी. कार से 7 किलोमीटर के दूरी में 9 लोगों को टक्कर मारी थी। नाहरगढ़ रोड पर हुए इस हादसे में भाई-बहन, सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि घायल 6 लोगों का उपचार जारी है।

- **मृतक के परिजनों को 50-50 लाख का मुआवज़ा व संविदा नौकरी की सहमति पर धरना समाप्त हुआ।**

इस हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां ममता कंवर और अवधेश को मृत घोषित कर दिया गया था। मंगलवार सुबह एक और घायल वीरेन्द्र सिंह ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी उस्मान खान को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है, अब उससे पूछताछ की जा रही है। एडिशनल डीसीपी (उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी उस्मान खान (62) ने सबसे ज्यादा टक्करें करीब 500 मीटर के एरिया में मारीं। नाहरगढ़ क्षेत्र में संतोषी माता मंदिर के पास पहले स्कूटी-बाइक को टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिरे लोगों को कुचलते हुए भाग गया। उस्मान खान ने थाने के बाहर खड़ी गाड़ियों को भी टक्कर मारी। आरोपी ने सोमवार रात 9.30 बजे सबसे पहले एमआई रोड पर एक गाड़ी को टक्कर मारी थी।

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिस तरह चलना चाहिये। कभी-कभी तो के.सी. वेणुगोाल तक महत्वपूर्ण पार्टी निर्णयों में उनके निर्णय के विरूद्ध फैसला ले लेते हैं।

कुछ दिनों से पार्टी-हल्कों में ऐसी अफवाहें चल रही हैं कि प्रियंका से चुनाव प्रबंधन समिति की अध्यक्ष बनने के लिये कहा जा सकता है। ज्ञातव्य है कि चुनाव प्रबंधन के मामले में यह उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी होती है। अभी यह कमेटी बनी नहीं है तथा यह दर्शाने वाली कोई हलचल भी दिखाई नहीं दे रही है कि प्रियंका को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है।

वे ऐसी एआईसीसी महासचिव हैं, जिनके पास कोई पोर्टफोलियो या जिम्मेदारी नहीं है और इस स्थिति को एक साल से ज्यादा समय हो गया।

वे स्वयं को सुर्खियों और चर्चाओं से दूर रखे हुये हैं। विवादित वक्फ विधेयक, जिसका कांग्रेस तथा पूरे विपक्ष ने विरोध किया था, पर भी वे सक्रिय दिखाई नहीं दीं।

जयराम रमेश तो इस बात से खुश नहीं थे कि केवल प्रियंका गांधी की गैरमौजूदगी के बारे में प्रश्न क्यों किया जा रहा है, जबकि विस्तारित सीडब्ल्यूसी की इस मीटिंग में 35 सदस्य उपस्थित नहीं हुये हैं।

- **जयराम रमेश जरूर इस बात से झुंझलाये हुए से लगे, कि प्रियंका गाँधी की अनुपस्थिति पर इतनी चर्चा क्यों हो रही है, क्योंकि वे अकेली नहीं जो इस महत्वपूर्ण आयोजन में अनुपस्थित हैं, पैंतीस ऐसे सदस्य हैं, जो आमंत्रित होने के बावजूद बैठक में या ए.आई.सी.सी. के सत्र में नहीं आये हैं।**

उनकी अनुपस्थिति के बारे में पूछे जाने का कारण संभवत: यही है कि वे गांधी परिवार से हैं तथा कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व का हिस्सा हैं। यह वजह है कि उनकी गैरमौजूदगी को लेकर अत्यधिक अटकलें लगाई जा रही हैं।

'देश के संविधान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं है उसे इन पर वीटो पावर नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि गर्वनर्स के लिए एक समय सीमा निर्धारित होनी चाहिए जैसा कि आर्टिकल 200 और संघीय नीति के तहत आवश्यक है कि राज्यपाल का आचरण न्यायिक मानदंडों के अनुरूप हो। समय सीमा का पालन नहीं करने पर संबंधित राज्यपाल के आचरण की न्यायिक समीक्षा की जाएगी।

स्टालिन ने निर्णय का स्वागत करते हुए तमिलनाडु विधानसभा में कहा कि, यह न केवल तमिलनाडु की बड़ी जीत है बल्कि देश की सभी राज्य सरकारों की जीत है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु ने द्रमुक के सिद्धांतों के संरक्षण के लिए संघर्ष किया है जैसे राज्य की स्वायत्तता और संघवाद तमिलनाडु संघर्ष करेगा और जीतेगा। स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु सरकार, तमिलनाडु के विधायकों व तमिलनाडु की जनता, जिसने हमें चुना है की तरफ मैं सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करता हूँ जिसने राज्य विधानसभा के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की।

कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत अन्तर्निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए माना कि दस विधेयकों को कानून बनाने के लिए स्वीकृति मिल गई है। न्यायालय ने कहा कि यह राज्यपाल द्वारा इन विधेयकों पर निर्णय लेने में की गई देरी और शीघ्र कार्यवाही की वकालत करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व निर्णयों के प्रति उनके "अल्प सम्मान" के लिए एक उपयुक्त प्रतिक्रिया होगी।

जैसी की उम्मीद है, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस खबर का स्वागत किया, क्यों वे भी इसी तरह की समस्या से ग्रस्त है। उन्होंने कहा तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का फैसला लोकतंत्र की जीत है और राज्यपालों द्वारा विधानसभा की शक्तियों को हड़पने की प्रवृति के खिलाफ चेतावनी है।

सुप्रीम कोर्ट में गत नवम्बर में राष्ट्रपति के विचार के दस विधेयकों को रोकने की राज्यपाल आर.एन. रवि की कार्यवाही को गलत व अवैध घोषित किया, क्योंकि राज्य विधानसभा उन्हें दोबारा पारित कर चुकी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों और राज्य प्रशासन के प्रमुख की जानकारी में आये बिना, इतनी बड़ी और व्यापक अनियमितताएं आखिर हो कैसे गईं।

उम्मीदवारों ने नियुक्ति पाने के लिए राजनेताओं तथा तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को रिश्वत दी थी, तथा उन सक्षम शिक्षकों, जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षा में काफी अच्छे अंक प्राप्त किये थे, के नाम मैरिट लिस्ट से हटा दिये गये थे। प्रतियोगी परीक्षा की "ओ एम आर" शीटों में हेर-फेर तथा परिवर्तन करने के स्पष्ट सबूत मिले हैं। अपने कुकृत्यों को छिपाने के लिए, एस एस सी अधिकारियों ने अदालतों में कह दिया कि सभी स्कोर शीट्स नष्ट की जा चुकी हैं। लेकिन सी बी आई ने फरीदाबाद के कुछ प्रतिष्ठानों से उम्मीदवारों के वास्तविक अंकों की कम्प्यूटर प्रतियां हासिल कर लीं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अविजित गांगुली ने अब जोर देते हुए कहा है कि उन सक्षम उम्मीदवारों, जिन्होंने नौकरी पाने के लिए किसी को रिश्वत नहीं दी थी, को भ्रष्ट उम्मीदवारों से अलग किया जाना संभव है। गांगुली ने कहा कि भ्रष्ट एवं सक्षम उम्मीदवारों को पृथक करने की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद, असली और ईमानदार चयनित उम्मीदवारों की नौकरी बहाल होना संभव किया जाना चाहिए।

कांग्रेस हाईकमान ने क्या मन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में देखा जा सकता है।

यह पता ही है कि अशोक गहलोत के इशारे पर राजस्थान में कांग्रेस विधायक दल के नेता टीकाराम जूली, पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा, ए.आई.सी.सी. महासचिव भंवर जितेन्द्र सिंह व कुछ अन्य ने सचिन पायलट के खिलापु गुट बना लिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे नेतृत्व की दौड़ में आगे न निकल जाएं।

गहलोत को पायलट की हर बात ना पसंद है और वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पायलट नेतृत्व के पद तक न पहुंच पाएं। लेकिन पार्टी के नेतृत्व के आज के कदम से स्पष्ट है कि उसने अपना मानस बना लिया है और अगर इसे अगले चुनाव में सत्ता पाने का गंभीर प्रयास करना है तो पायलट पर दांव लगाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। पार्टी में गंभीर विचार चल रहा है कि इस निर्णय को चुनाव आने तक के लिए नहीं टाला जा सकता है। इसे जल्द से जल्द लागू करना होगा।

समस्या यह है कि गहलोत से कैसे डील किया जाए जो पायलट के रास्ते में अड़चने पैदा करने से बाज नहीं आएंगे।

पद्मेश मिश्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उससे साफ जाहिर है कि इस नियुक्ति से पहले महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता और विधि विशेषज्ञों व विभाग से कोई राय-मशविरा नहीं किया है, क्योंकि पद्मेश मिश्रा को पहले पैनल लॉयर के पद पर नियुक्त किया गया था, जिसके लिए 5 वर्ष का अनुभव चाहिए था। इसके बाद पैनल लॉयर नियुक्त होने के महज 3 दिन बाद ही उन्हें अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर नियुक्ति दे दी गई, जबकि इस पद के लिए न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक है। सुनील समदड़िया का कहना है कि विधि नीति में जो फेरबदल किए गए हैं, वह परस्पर विरोधाभासी प्रतीत होते है, क्योंकि एक तरफ राज्य सरकार किसी भी व्यक्ति को अतिरिक्त महाधिवक्ता (ए.ए.जी.) के पद पर नियुक्त कर सकती है, दूसरी ओर ए.ए.जी. पद के लिए 10 वर्ष का अनुभव भी वर्णित है।

जिंदा बम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा सुनने के लिए न्यायिक अभिरक्षा से बुलाया गया। सजा सुनने के बाद चारों अभियुक्तों के चेहरे पर जरा भी शिकन नज़र नहीं आई, बल्कि वे हंसते-मुस्कुराते हुए कोर्ट कक्ष से बाहर निकले।

कांग्रेस अधिवेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अहमदाबाद में अत्यधिक गर्मी और पानी की कमी के कारण दिक्कत हो गई जिसके बाद उन्हें अहमदाबाद के ज़ाइडस अस्पताल में निगरानी में रखा गया है। वह अस्पताल में है और डॉक्टर उनके स्वास्थ्य नज़र रखें हैं और उनकी स्थिति सामान्य है। मौसम विभाग ने अहमदाबाद के लिए मंगलवार को भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया था और यहां दिन का तापमान या 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था।

ब्रह्मकुमारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा अनेक गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

उनके पार्थिव शरीर को राजस्थान के आबू रोड में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मुख्यालय शांतिवन आश्रम के सभागार में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया है। ब्रह्माकुमारीज के अनुसार दादी रतनमोहिनी का 10 अप्रैल को पूर्वाह्न 10 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय** : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय** : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय** :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय** :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय** : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908